उसे बिना पहले चेतावनी दिये परमेश्वर मनुष्य को न्याय में नही बुलाता

"दस हज़ार स्वर्ग दूत को बुलाता," जब एक संसार को नष्ट कर सकता था, "परन्तु वो आपके और मेरे लिए मरा।" यह उस चीज़ का आधार है, जिस पर में अपने सन्देश को रविवार प्रात: देना चाहता हूं, यदि प्रभु ने चाहा, "मसीह क्या था?" और हम आशा कर रहे है, संभव है, ये छोटी लडकियाँ उस गाने को हमारे लिए रविवार की प्रात: हमारे लिए फिर से गा सकती थी। भाई वहीलर में निश्चित ही यह कहना चाहता हूं कि आपके पास यही सिंगार नही और सारी बातें। वे मुझे मसीही सी दिखाई पड़ी, इस तरह से और ऐसा व्यवहार करती है। यह बहुत ही अच्छा है।

2 मैं विश्वास करता हूं कि मैं अपनी पत्नी से कह रहा था उस दिन, हमारे यहाँ निश्चित रूप से साफ सुथरी दिखने वाली स्त्रीयों का झुण्ड है, यहाँ पर। मैं इसकी सरहाना करता हूं। उनके लम्बे बाल, साफ चेहरे अच्छे कपडे पहने हुये, मैं हर बार जब आता हूं, आपकी प्रशंसा करता हूं। मैंने मेडा से कहा, "मैं चाहूंगा कि किसी समय उन्हें एक पंक्ति में खड़ा कर के और उनकी तस्वीर उतारू, ताकि मैं दूसरी कलीसियाओ में दिखा सकू कि हमारी कलीसिया इस तरह की यहाँ पर।" कि जहां हम इस बातों को बोलते है, वे—वे मानते है। और हम आनंदित है। ये हमारे लिए कुछ करता है, हम जानते है जब हम—हम हमारा निवेदन है यदि हमारा हृदय हमे दोषी ना ठहराये, हम जानते है परमेश्वर हमारी सुनता है।

3 इस प्रात: मेरा एक मित्र जो यहाँ दूर से है, पड़ा हुआ था, उसे बाहर निकला और बस मुश्किल से जीने का विचार कि कुछ मिनटो में वह मर जायेगा। उन्होंने फ़ोन किया, यह दिन निकलने को था। मैं पलंग से उतरकर खड़ा हो गया और उस बुढे व्यक्ति के लिए प्रार्थना करने लगा और परमेश्वर के अनुग्रह से उस आत्मा से संपर्क करने योग्य हुआ, यहाँ से वापस आ गया, ठीक हो गया, फिर से वापस गया, अभी आज रात्रि हमारे साथ है। परमेश्वर की महिमा हो। वह बुढा भाई डाऊच है, 91 वर्ष का उसके जीवन

यात्रा 21 वर्ष बीत गए। परंतु प्रभु भला है, अनुग्रह से भरा, इस के लिए हम उसके आभारी है।

4 अब, भाई नेविल, हम पलट कर एक दूसरे को देखते है और मैं चाहता हूं, मेरे पास बस थोडा सा... लगभग एक सभा और यहाँ है और वह रविवार होगा। मैं—मैं अपने पास्टर को नहीं लेना चाहता, मैं उसे प्रचार करते सुनना चाहता हूं।

5 रविवार रात्रि जब उसने प्रचार किया, मैं आपको बताता हूं, मैं अपने एक मित्र के साथ थोड़ी दूर गया कि इसके बाद दो डबल रोटी खा लू, भाई ईवान और बहन ईवान और भाई और बहन सोथमेन वहां है। भाई सोथमेन और वे सारे उस शानदार सन्देश के लिए टिप्पणी कर रहे थे। और मैं आपको बताता हूं, मैं इस पर लगभग सारे सप्ताह भर बना रहा। और उस से कुछ ने टिप्पणी की कैसे वह शुतरमुर्ग सोचता है कि उसने अपने को छिपा लिया, अब यह सच है जब वह अपना सिर जमीन में घुसा लेता है, परंतु लगभग सारा अब भी बाहर दिखाई पड़ रहा है, इसी प्रकार कभी हम करते है। हम अपने सिर को किसी चीज़ के पीछे छिपा लेते है, वहाँ सदा... हो सकता है, हम अब भी दिख रहे है, आप जानते है। वह हमारा सब कुछ देखता है, आप देखिये। इसलिये वास्तव में हम इसकी सराहना करते है।

6 तब मैंने सोचा मैं कलीसिया से बातें करना चाहता हूं, और मैंने सोचा, ठीक है, मैं—मैं भाई नेविल आप से सारे समय बातें करते है, इसलिये तब जब मैं यहाँ होऊंगा हो कि सकूँ। मैं अधिक ढोंगी नहीं होना चाहता, न ही बुलाहट पर या कुछ नहीं बस घर पर बैठा हूं और यहाँ अराधनालय खुला है। मैं—मेरे पास है... मैं यहाँ होना चाहता हूं, क्योंकि मैं आपसे प्रेम करता हूं।

7 मैं आपको बताता हूं, निश्चय ही मैं एक प्रकार से... यहाँ का मौसम मेरे अनुकूल नहीं, और मैं... और यह क्षेत्र मेरे अनुकूल नहीं और यहाँ की जो हवा है। मैं परेशानी में पड़ जाता हूं, पूरी रीती से, देखिये और आप इस विषय में कुछ नहीं कर सकते। और मैं... और हमें अच्छा नहीं लगता, हम में से किसी को नहीं, जब हम यहाँ होते है। हम... मुश्किल से हम में से किसी को यहाँ अच्छा लगता है, जब से हम यहाँ है, क्योंकि हम एक प्रकार से उस ऊँचे वातावरण के अभ्यस्त हो गए है।

8 परंतु, अब, एक बात जो मुझे यहाँ खींचती है वह आप सब है, यह ठीक बात है आप सब, आप जानते है आप बहुत से मित्र पाते है, मैं—मैं बहुत आभारी हूं, मैं समझता हूं मैं... यदि मैं; व्यक्तिगत रूप से गिनने लगु लोगो को, जिन्हें मैं जानता हूं, यह हो सकता है सारे संसार में लाखों होंगे। एक बार किसी ने अनुमान लगाया और संम्भवत व्यक्तिगत जानकारी में लगभग एक करोड़ लोग, परन्तु घर के विषय में कुछ और बात है, कुछ विषय लोग, वहाँ बस... हर के पास है, आपके जीवन में विशेष लोग। आप जानते है, मैं विश्वास करता हूं। यदि वहाँ ना हो, तो फिर क्यों हमारी क्यों हमारे लिए विशेष है? और क्यों—क्यों हमारे... समझे? हम हमारी पत्नियाँ, हमारे पति और आदि, ये—ये विशेष है। और यह दोस्तों के साथ है। यह कुछ दूसरा है कि आप उन से मिलना पसंद करते है और बस उन से बातें करना, वहाँ एक छोटा बिंदु है।

9 और मैं इस पुराने दलदल के लिए सोच सकता हूं वहाँ यह छोटा आराधनालय खड़ा है और इसके पहले ये यहाँ खड़ा होता यहाँ कुछ नहीं एक—एक तालाब था, यही कारण है कि सड़क घूम कर निकली, तालाब का चक्कर लगा कर। यह वास्तव में सम्पति है, और सड़क सीधी दरवाजे पर आते है। परंतु वहाँ पर तलाब था। और मुझे याद है यहाँ आने के लिए, और प्रभु के भवन बनाने के लिए जगह खोजने के यत्न में था, और एक युवा लड़का था।

10 और मैंने इन्हें सुना, यह युवा व्यक्ति और यह दूसरा वाला यहाँ, थोड़ी देर पहले, अपने पुरे उत्साह में प्रार्थना कर रहे थे। मैंने सोचा, "आप जानते है, मैं इस प्रकार किया करता था, कठीनता से साँस लेता था।" और तब जब आप बुढे होते है, तो आप थोड़ा धीमे हो जाते है आप जानते कि, आप अब भी बढ रहे है, परंतु आप "दूसरे गेयर" में है, जैसा कि मैंने भाई वुड को वहाँ बताया। परंतु और तब जहाँ तक... और तब धोड़ी देर बाद आप निचले गेयर में आ जाते है, जब आप 70 या 80 में होते है, मैं समझता हूं। परंतु आप जानते है... यधपि आप अब भी बद रहे है, जब तक आप बढ सकते है, इससे क्या अंतर पड़ता है? वहाँ तक पहुँचने में थोड़ा और समय।

11 मुझे याद है मैं कैसे प्रार्थना कर रहा था, यहाँ इस घास में ठीक यही जहाँ यह प्रचार मंच है, लगभग यही ये यही जहां मैंने खूटा गाड़ा, जहाँ मैं

जानता हूं कि प्रचार मंच बन बनाना है। प्रभु परमेश्वर ने मुझे यह स्थान दिया है। जी हाँ श्रीमान। अब ठीक वहाँ जा कोने का पत्थर रखा है, मेरे दर्शन की गवाही उस प्रांत मैंने रखी, जब मैं कठिनता से सोच सकता था, कहा, "यह आराधनालय तेरा नहीं है, परंतु सुसमाचार फैलाने का कार्य कर," उसने कहा। मैंने बाहर देखा और मैंने वहाँ सारे संसार को देखा, और चमकदार नीला आकाश, लोग हर तरफ से आ रहे थे; यह वहाँ कोने का पत्थर में रखा है। मैंने कितना छोटा सोचा था कि यह घटित होगा, यधपि दर्शन ने ऐसा कहा था; परंतु असफल नहीं होता, यह जो भी है, होने जा रहा है।

12 इस सप्ताह मेरे बहुत से साक्षात्कार है क्योंकि रविवार, परमेश्वर की अनुग्रकारी उपस्थिति नीचे आयी। और मैं तो सोमवार को जाने वाला था।

13 मैं... हमने अभी तक छुट्टी नहीं ली है बच्चों ने। मेरी छुट्टी बाद में आती है, थोड़े समय बाद। परंतु मैं बालकों को थोड़े समय के लिये लेना चाहता था। उन्हें वापस जाना है और अब स्कूल जाना है, इसलिये मैंने इस सप्ताह सोचा कि एक अच्छा समय होगा। अगले सप्ताह शिकागो की सभा में जाने को तैयार हूं, वहां।

14 परंतु तब आत्मा का अभिषेक, मैंने सोचा, "अब समय है कि साक्षात्कार दू। अब समय है कि ये... कि मैं उनको पकड़ सकता हूं उनमें से कुछ को वहां। और वहां... मैं उन लोगों में से कुछ को बैठे हुए उपस्थित देखता हूं जो कमरे में थे। वे जानते हैं कि प्रभु हम से मिला है या नहीं।

15 विचित्र बात यह है... हर कोई सिवाय कुछ स्त्रियों के बिली ने कुछ अंतराल रखा है, थोड़ा सा पहले कुछ महिलाये लुईविल से, उनके पास एक छोटी लड़की थी जो यहाँ थी, मैं सोचता हूं वह वास्तव में चर्च औफ गोड से थे लुईविल में या कुछ। परंतु हर मामला उनमें से हर एक जो भीतर आया इसके पहले कि मैं हर घर छोड़ता पवित्रा आत्मा ने मुझे बताया कि यहाँ कौन होगा, वे क्या पूछेंगे। और मैंने कागज़ के टुकड़ों पर लिख लिया और कहा कि वे क्या पूछेगे और उनके प्रश्न जिस प्रकार वे पूछेगे और उन्हें कैसे उत्तर दिया जायेगा। तब मैं उन्हें बताऊंगा, मैं कहूंगा, "यहाँ जो आप है... अब देखिये, यहाँ कुछ गिनते पहले पवित्र आत्मा ने क्या... " डेस्क पर पहुँच कर और कहते "समझे? उसने मुझे तुम्हारे आने से पहले बताया," समझे? परंतु जबकि मैं घर पर था, कौन वहां होगा यह क्या

होगा, उनकी मनोस्थिती क्या होगी और सब उस विषय में इसके पहले कि मैं घर भी छोडू।

16 बहुत सी बार मैंने समय देखा, मैं कब सड़क पर होऊंगा, प्रार्थना कर रहा हूं, मैं देखूंगा कि प्रार्थना पंक्ति मेरे सामने से निकल रही है, और हर नाम को जानता हूं जो प्रार्थना पंक्ति में होगा इसके पहले कि मैं वहाँ पहुंचू। यह ठीक बात है। और यह भी जानता हूं कि वे आराधनालय में कहाँ बैठेंगे और वे क्या... वे कैसे कपड़े पहनेगे गए और वे कैसे दिखाई पड़ेगे। आप लोगों को हर बात इस प्रकार से नहीं बता सकते। आप... चीजे आपके साथ हो रही है उन्हें ना बताये। उन्हें बताने आवश्यक नहीं है, बस उन लोगों को वे बातें बताये जो सोचता हूं उनकी सहायता हो, जब प्रभु दबाव डालता है कि उन्हें बताऊ, कहूं, "यह कहो।" आप उनके वह हर बात नहीं बताना चाहोंगे जो आपने देखी है, क्योंकि यह ठीक नहीं होगा आप देखिये, आप बस... निसंदेह आप परेशानी में पड़ जायेगे, और इस प्रकार से सारी बातें। आपको जानना चाहिये कि इन चीजों को चलाना है प्रभु को आत्मा के द्वारा।

17 मेरे सामने लोग खड़े हुए थे और मुझ से प्रश्न पूछे, मैं ठीक यह जानता था, परंतु मैं उन्हें नहीं बताऊंगा क्योंकि मैंने विश्वास का अनुभव किया है कि यह ना करू। आपको याद है, मैं विश्वास करता हूं यह पिछली बुधवार रात्रि थी मैंने *एक कैदी* (A Prisoner) पर प्रचार किया। समझे? देखिये, आप उस व्यक्ति को बताना चाहते हैं। परंतु किसी चीज ने कहा, "यह मत करो।" आत्मा कहता है, "यह ना करो। यह ना करो।" फिर भी एक वरदान सीधा इस पर देख रहा है "यह मत करो। यह मत करो।" देखिये, इसलिये अच्छा है आप या ना करें; तब आप परमेश्वर के साथ परेशानी में हो सकते हैं।

18 अब आज रात्रि हम यहां केवल खड़े होने के लिए नहीं आते हैं, हम प्रभु का वचन सुनना चाहते हैं। आप प्रार्थना कर रहे थे और हमारा शानदार समय था और—और मैं... सदा जब मैं आता हूं, मैं जानता हूं मैं छोटी सी मूल पाठ की पुस्तक लाता हूं, क्योंकि वहां... कभी भाई नेविल इतने दयालु हो जाते हैं, वह मुझसे पूछते रहते हैं, "क्या आप *वह* करेंगे," या "*वह* करते हैं" या "बोलते?" और मैं यहां से होते हुए देखता हूं जब तक कि मुझे किस किसी प्रकार का मूल पाठ नहीं मिल जाता और फिर

हम वहां से आरम्भ करते है। और मैं निश्चित हूं... अब रविवार के लिए निश्चित रहे...

19 अब, मैं नहीं... हम कभी नहीं जानते, हम नहीं बता सकते। आप देखिये मैं यहाँ समयो के साथ आया—अपने मस्तिष्क हक मैं उस मूल पाठ के साथ जिस पर मैं बोलने जा रहा था और यहाँ आकर इसे पूरी तरह से बदल दिया। मैंने यहाँ वचन लिख रखे हैं, मैं कहता हूं, "मैं *इस* मूल पाठ का प्रयोग करने जा रहा हूं, मैं *इन* वचनों का उपयोग करने जा रहा हूं। जैसे कि वे आते हैं मैं *यह, वह* करने जा रहा हूं या *कुछ* और।" मैं लिख लुंगा, जैसे पहला कुरिंथियों 5:15 और दूसरा कुरिंथियों 7:1, और मत्ती 28:16 आदि इस प्रकार से रखता हूं यहाँ इस प्रकार से और उन वचनों को लिखता हूं। और वहाँ देखता हूं, मैं जानता हूं वचन वहाँ क्या कहता है; कभी उसे छूता तक नहीं, बिल्कुल दूसरे तरीकों से उसमें जाता हूं। और बस हम नहीं जानते।

20 इसलिये अब यदि प्रभु चाहता है, इन सभाओ के छोटे से क्रम में बंद करते हुये मैं बोलना चाहता हूं तब से यहाँ होते हुये, रविवार प्रांत उस बहुत ही आवश्यक बात पर, इसलिये आप यहाँ रुकने के लिये तैयार हो कर आये, हो सकता है लगभग दो बजे, कुछ इस प्रकार से। और इसलिये ये... मेरे पास यहाँ विषय पर लगभग 30 या 40 वचन लिखे रखे हैं, परंतु मैं सोचता हूं ये क्या... मैं क्या करने का यत्न कर रहा हूं, यदि पवित्र आत्मा मेरी सहायता करेगा, कि संदेश को पकडू और स्थान को कि अब यह कहाँ है, यहाँ से आरंभ होता है उसे इस समय में तैयार करता हूं।

21 इसलिये कि जब मैं शिकागो के लिए निकलता हूं, तब मुझे सीधे एरीजोना जाना ही है और तब आगे और आगे। और हो सकता है जैसे कि मैं जानता हूं यह अगले वर्ष फिर हो सकता है, हो सकता है कि अगली गर्मियों में इसके पहले कि मैं आराधनालय मैं वापस आऊं जब तक कि मैं इस मार्ग से होकर फिर ना निकलू क्योंकि मेरे पास सभाये है।

22 और बिली, ठीक इस समय विदेश के लिए कार्य कर रहा है पूरे संसार की यात्रा के लिये, बड़े दिन के बाद तुरंत आरंभ होता है। और मैं सारा घिरा हुआ हूं, जब तक लगभग दिसंबर नहीं आता, और ठीक, हो सकता है दिसंबर में पहले सप्ताह तक डालास। इसलिये तब—तब जनवरी में हम पूरे संसार की यात्रा आरंभ करना चाहते हैं सब प्रकार से पूरा और अब उस

पर कार्य कर रहे हैं, खोज रहे है प्रभु कहाँ अगुवाई करता है। और—और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं... लोगों का भी, सेवकगण जितना मैं उनके विरोध में कहता हूं उनके नामधारी के और इस प्रकार की बातें।

23 हम जानते हैं कि वह काफी पिछले पीछे रखी है, भाई रोय बोर्डस निमंत्रण की चिंता करते हैं और जब से वर्ष का बड़ा दिन, सारे संसार से हजारों निमंत्रण है। वहाँ पीछे हजारों निमंत्रण आए हैं। इसलिये प्रभु में मुझे दिशा निर्देश देता है उन में से किस पर जाना है और क्या करना है, हम बस उस पर निर्भर करते हैं। आप उन सभी को नहीं ले सकते। गर्मियों में आप आठ या दस से अधिक नहीं ले सकते यदि आपको करना ही है, एक पूरे में... जब तक कि आप एक रात यहाँ एक रात का वहाँ ना जाये... वे दो सप्ताह और तीन सप्ताह मांग रहे हैं और यदि जब तक आप टिक सकते हैं या उनमें से कुछ कहते हैं, "जब तक प्रभु अगुवाई करेगा," और—और इस प्रकार से, इसलिये आप नहीं जानते कहाँ से आरंभ करें या क्या करें। इसलिये हमने बस प्रभु के सामने रख दिया है, कहे, "स्वर्गीय पिता आप हमें बताये।" और इस मामलो में प्रार्थना करके आप मेरी सहायता करे कि हम इसको सके।

24 और मैंने सोचा चंगाई सभा के पश्चात पिछले रविवार तक हो सकता है इस रविवार यदि हम बस एक शिक्षा ले और उसके बडाते हुये और दिखाये, हम कैसे—कैसे समय में है... हम कहाँ है क्या—क्या है—क्या है, परमेश्वर की महान योजना का तीन सतहिये उद्देश्य क्या है संसार के रचने के पहले से और आज उसे लेकर आया तीन सतहिये परमेश्वर की योजना, योजना इस समय। मैं इसके दूसरे भाग पर कार्य कर रहा हूं, वचनों को निकाल रहा हूं, और उन्हें खोज रहा हूं, और ठीक स्थान पर रख रहा हूं।

अब आईये देखते है, आईये हम अपने सिरों को एक क्षण के लिए झुकाये।

25 प्रभु यीशु भेड़ों के महान चरवाहे आज रात्रि यहाँ हम तेरे बहुत ही अनुग्रहकारी पवित्र नाम मे जमा हुये है। हम तुझ से प्रेम करते है, प्रभु और हम इस रात्रि की प्रार्थना सभा के लिये आपका धन्यवाद करते हैं, कलीसिया के भजनों के लिये, जैसे कि हम उन्हें आनंद के साथ अपने हृदय में गाते हैं और—और जैसे हम अंदर आते हैं, उन्हें सुनते हैं, ताली

बजा रहे है। और तब हम अपने घुटनों पर आते हैं, और अपने ह्रदय को आपके सामने उड़ेलते हैं और आपके धन्यवाद देते है उसके लिये जो आपने हमारे लिये किया है, और—और आप से मांगते है कि आप निरंतर हमारे साथ चले।

26 और अब घड़ी आ गयी है कि वचन को बड़े और कुछ पर बोलने को लोगों से। हमारे विचारों का दिशा निर्देशन करे पिता और महिमा ले। और आज हमारे द्वारा कुछ कहते है, जो कि हम सब की सहायता करते हैं! जब हम यहाँ से बाहर जाते हैं, हमारे ह्रदय में एक उद्देश्य के साथ की एक अच्छा जीवन और आप के समीप जो कभी हमारे पास था। यही जिसके लिये हम यहाँ पर है, प्रभु, हम यहाँ आपके विषय में अधिक जानने के लिए है। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें अपने महान अस्तित्व को आज रात्रि अपने वचन को प्रकाशन में प्रकट करेगे, ताकि हम जान सके कि हम कैसे एक अच्छे मसीही बने और इन अंत के दिनों में कैसा व्यवहार करे। हम यह यीशु के नाम मे मांगते है। आमीन।

27 अब मेरी दृष्टि यशायाह के विषय वाक्य पड़ी यशायाह 38। आईये हम यशायाह को पढ़ते है, यशायह 38।

उन दिनों में हिजकिय्याह ऐसा रोगी हुआ कि वह मरने पर था। तब आमोस के पुत्र यशायह नबी ने उसके पास जा कर कहा, यहोवा यो कहता है, अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो वह दे; क्योंकि तू ना बचेगा पर मर ही जायेगा।

तब हिजकिय्याह ने दीवार की ओर मुंह फेर कर यहोवा से प्रार्थना करके कहा, हे यहोवा, मैं बिनती करता हूं।

स्मरण कर कि मैं सचाई और खरे मन से अपने को तेरे सम्मुख जान कर, चलना आया हूं और जो तेरी दृष्टि में उचित था वही करता आया हूं। और हिज... हिजकिय्याह बिलख–बिलखकर रोने लगा।

तब यहोवा का यह वचन यशायाह के पास पहुंचा जा कर हिजकिय्याह से कहा।

कि तेरे मूल पुरुष, दाऊद का परमेश्वर यों कहता है, मैंने तेरी प्रार्थना सुनी और तेरे आंसू देखे हैं, सुन, मैं तेरी आयू पंद्रह वर्ष और बढ़ा दूंगा।

28 प्रभु अपनी आशीष इस के पढ़े जाने पर दे। यह बहुत ही विशिष्ट विशेष है यहाँ छोटे से संदेश के लिये, मैं विश्वास करता हूं। मैं इसे कहना चाहता हूं: *बिना पहले चेतावनी दिये परमेश्वर मनुष्य के न्याय के लिये नहीं बुलाता*। और हम लोग—हम लोग हमें इसकी भूमिका को पकड़ना है—भूमिका को या इसके आधार को यहाँ पर आज रात्रि इस पाठ में, परमेश्वर मनुष्य को चेतावनी देता है, इसके पहले उसको मृत्यु से बुलाये।

29 अब हरके साथ यह है, हम कह सकते हैं, "भाई, *यह* व्यक्ति बिना चेतावनी के मर गया।" नहीं, नहीं, नहीं। परमेश्वर कभी नहीं... आप नहीं जानते कि उस मनुष्य के हृदय में क्या था, आप नहीं जानते उसके जीवन में क्या चल रहा है। समझे? परमेश्वर कभी भी किसी मनुष्य को उसकी मृत्यु में बिना पहले चेतावनी दिये नहीं लाता, यह कुछ, एक तैयारी है। परमेश्वर प्रभु सत्ता संपन्न है, और वह हर एक मनुष्य के हृदय पर खटखटाता है, उसे आने का सोभाग्य देता है। अब वह चेतावनी दे सकता है और अस्वीकार करे और—और उसके सिर को, "इसके लिए अनुभव है, मैं इसकी चिंता नहीं करूँगा।" परंतु जो भी है या परमेश्वर था, परमेश्वर उस से बोल रहा है।

30 और परमेश्वर पृथ्वी पर कभी भी न्याय नहीं लाता बिना लोगों को चेतावनी दिये। परमेश्वर कभी भी कुछ नहीं करता, बिना पहले घोषणा के, कि वह क्या करने जा रहा है। और वह लोगों को एक चुनाव देता है, और आप सकते है—आप सही या गलत कर सकते, यह उसका... देखिये परमेश्वर अपना स्वभाव कभी नहीं बदल सकता—अपना स्वभाव, उसकी योजना कभी नहीं बदल सकती जो उसने आरंभ कर दिया, क्योंकि वह अनंत है और उसकी योजना और उसके विचार सब सिद्ध है। इसलिये यदि वह इसे बदलेगा तो वह यह दिखायेगा कि उसने और सीख लिया। इसलिये अनंत होने के कारण, वह और नहीं सीख सकता, उसका—उसका पहला—उसका पहला निर्णय सदा सिद्ध होता है, और कुछ ऐसा नहीं है जो उसे कभी इसे बदल सकता है। समझे?

31 परमेश्वर इसके पहले कभी मनुष्य को रखा था... उसके पास अवसर था कि गलत करे परमेश्वर ने उसे इस आधार पर रखा, जहाँ वह स्वीकार या अस्वीकार कर सके वह ग्रहण कर सके या—या नहीं।

32 कहू, अज्ञान वंश यदि वह सेवक यहाँ है भाई बेकर में विश्वास करता हूं उस दिन साक्षात्कार में था मेरे पास उसको प्रश्न है जो उसने मेरे लिये सप

वंश पर लिखा। अब वह मेरे पास यहाँ पीछे लिखा रखा है। यदि वह यहाँ है, क्यों, अच्छा अभी इस समय मैं उन्हें कभी भी नहीं देखता। परंतु यहाँ है। वह और उसकी पत्नी, एक बड़ा अच्छा व्यक्ति और एक—एक स्त्री, परंतु वे—वे कुछ बातें इस सर्प वंश की शिक्षा के विषय में नहीं समझा सके, कैसे वे—वे... कुछ प्रश्न किस विषय पर और मैंने कहा था और—और उपदेश और उस से आगे और—और गर्भधारण कसे के विषय में बातें कर रहे थे और आदि। परंतु मैं... तब यह भाई के समान, एक अच्छा मनुष्य, कुछ दो वर्षों से मसीही है, परंतु बस नहीं संभाल पाया, अब देखिये।

33 यह कठिन है यदि आप नहीं... आपको भी पवित्र आत्मा पर निर्भर होना पड़ेगा क्योंकि यह बाइबल पहलियों में लिखी हुई है, आप ऐसे नहीं कि बैठकर इसे अख़बार के समान पढे, यह छिपा हुआ है। जी हां, श्रीमान। कैसे आप कभी परमेश्वर को न्यायोचित ठहरायेंगे, जब परमेश्वर ने मूसा को वहां पर बताया, कहा, "अब कोई खुदी हुई मुर्ते ना बनाना," उसकी आज्ञाओं में, "स्वर्ग की जैसी चीजें ना बनाना, कोई—कोई स्वर्ग दूत या कोई और चीज, कोई खोदी हुई मूर्त ना बनाना," और फिर भी उसी दिन उसे बताया, दो स्वर्ग दूत पीतल से ढाल कर बनाना और उन्हें ठीक अनुग्रह के सिंहासन के सामने रखना, जहां पर अनुग्रह होता है। समझे? आपको परमेश्वर को जानना है और उसके स्वभाव को इसके पहले आप उसके वचन को समझे, उसके—उसके पास स्वयं उस वचन की कुंजी है। और वह—वह केवल एक ही कर सकता है। इसका संचालन और इसे खोल सकता है और इसलिये वह एक है, जिसे प्रकट करना है।

34 और अब हम उनका स्वभाव पाते हैं कि यही था कि सदा न्याय से पहले मनुष्य को चेतावनी दे, पहले, राष्ट्र को न्याय से पहले चेतावनी दे और आदि। वह सदा अपनी चेतावनी देता है, स्मरण दिलाता है, हमें एक उत्तरदायत्व की। हम जिम्मेदारी है, और परमेश्वर ने हमें यहाँ पृथ्वी पर एक कारण से रखा है, वह कारण जिसके लिए उसने हमें यहां रखा है, उस कारण के लिए उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी है, आपको उसके पास जाना चाहिये और मालूम करें कि वह हमसे क्या करवाना चाहता है। समझे? यदि आप नहीं...

35 यदि आप किसी मनुष्य के लिए काम करना चाहते हैं और वह आपको चरागाह पर काम देता है, या कुछ और आप बस खलियान पर जाकर और

बस वहां बैठे रहे और कहे, "अच्छा? " देखिये, आपको जाकर उससे पूछना है वह क्या चाहता है कि आप करें और फिर करें। यदि आप किसी व्यक्ति के साथ काम कर रहे हैं, तो मालूम किजिये कि आपका क्या कर्तव्य है।

36 और तब यदि हमारे जीवन यहाँ पृथ्वी पर है, तो हमें उनके उसके पास जाना चाहिए जिसने हमें यहां रखा है और, "प्रभु, आपके पास मेरे करने के लिए क्या है? मुझे क्या—क्या—क्या करना चाहिए? क्यों मैं यहां पर हूं? " यदि यह घरेलू स्त्री होना है, बर्तन धोना यदि यही है... परमेश्वर आप से जो भी चाहे करवाने को, तो आप सबसे अच्छा करें जितना आप करना जानते हैं। कोई मतलब नहीं कितना थोड़ा, कोई मतलब नहीं यह कितना छोटा है, आपको यह करना चाहिये।

37 आप कहते है, "ठीक है... " इसकी परेशानी यह है हम में से प्रत्येक अपने से अगले व्यक्ति का कार्य करना चाहता है, हम सब लेना चाहते हैं, जैसा कि हम कहते हैं, आप देखिए।

38 इस प्रकार यहाँ ध्यान दें, अब हर छोटा क्षण जो वहां है, उसका अपना स्थान है। अब, हर भाग हाथ नहीं हो सकते, अब मैं केवल सुई को देखता हूं कि समय क्या हुआ है। परन्तु यदि उनमें से छोटा पहिया वहाँ अपने स्थान से हट जाये, तो यह सही समय नहीं देगा।

39 और लोगों के साथ यही बात है। हम सब मसीह की देह है, और अपने स्थान पर होना चाहिये, क्रम में। समझे? तब हम चारों ओर देख सकते हैं और देखते हैं कि दिन का कौन सा समय है। समझे? तब संसार देख रहा है कि देखे यह क्या है। समझे? समझे? परन्तु वे आपको देख रहे हैं और यदि आप एक छोटे से स्प्रिंग है या आप जो भी है, आप सबसे अच्छा कार्य करें जो आप वहां कर सकते हैं।

40 अब, क्योंकि हम उत्तरदाई है कि इसके लिए हमें किसी दिन परमेश्वर को उत्तर देना है। हर मनुष्य जो पृथ्वी पर आता है, उसे जिम्मेदारी के लिये परमेश्वर को उत्तर देना है। और हम में से बहुत सारे प्रबंधको को उत्तर देना होगा। हम... यह जिम्मेदारी एक प्रबंधक पद है जो कि हमें परमेश्वर की ओर से दिया गया है, मैं चिंता नहीं करता यह क्या है, जैसे कि मैंने थोड़ी देर पहले कहा, "एक ग्रहणी, " तो फिर एक वास्तविक ग्रहणी। यह ठीक बात है। यदि यह किसान है तो फिर एक वास्तविक किसान। ये जो भी है, परमेश्वर ने आपको यह करने के लिए रखा है, आप इसके लिए प्रबंधक पद

पर है कि यह करें, इसके लिए आपको परमेश्वर को उत्तर देना है, क्योंकि यह सारी बातें को करने लिए लेता है।

41 हिजकिय्याह को तैयार होने हो जाने के लिए बता दिया कि तैयार हो जाये क्योंकि उसे अपने सुष्टि कर्ता से मिलना था। अब हिजकिय्याह एक राजा था और एक—एक महान पुरुष। क्या आपने उसके निवेदन पर ध्यान दिया? "प्रभु मैं विनंती करता हूं कि तू मेरा विचार कर, मैं—मैं तेरे सामने सिद्ध ह्रदय से चलना चलता रहा।" आज हमारे लिये क्या ही गवाही है, यह एक पुरुष को होना चाहिये, जो परमेश्वर के सम्मुख चलता है।

42 यहाँ तक कि उस मनुष्य के लिए मृत्यु की घोषित हो गयी थी और फिर भी परमेश्वर ने अपना विचार उसके विषय में बदला, क्योंकि हिजकिय्याह कुछ करना चाहता था और परमेश्वर ने कहा वह "हमें हमारे ह्रदय की इच्छा देगा।" और हिजकिय्याह का समय आया आ गया था, और वह—उसे कैंसर था, या कुछ और और—उन्होंने उसे "फोड़े" कहा उस दिन में, परंतु हम जानते हैं फोड़ा आपको निरंतर नहीं मारता, वे ठीक हो जाते है। परंतु संभवत यह कैंसर था और यह एक के फोड़े के समान खुल गया, और—और परमेश्वर ने यशायाह को बताया, कहा, "वहां जा और उसे बता दें कि वह मरने आ रहा है।" और हिजकिय्याह के पास कुछ था, जो वह अब भी करना चाहता था। उसके—पास उसके पास...

43 जब आप परमेश्वर से कोई याचना करते हैं, तो आपके पास उसका कोई कारण होना चाहिए। यह इस वचन के समान है जिसका मैंने अक्सर उल्लेख किया है, "यदि तू इस पहाड़ से कहे, 'हट जा' और संदेह ना करें, परंतु इसका विश्वास करें कि जो तू ने कहा है घटित हो जायेगा, तुम वह पा सकते हो जो तुमने कहा है।" अब यह सब मिला कर एक उद्देश्य से नियंत्रित हुआ और उद्देश्य देखिये या यह घटित नहीं होता। समझे?

44 आप यहाँ इस से बाहर नहीं जा सकते... यही यहां हम में से बहुतों ने बहुत गलतियां की है बाहर जा रहे हैं और कहते है, "अब मैं तुमको दिखाऊंगा, मेरे पास यह करने के लिए विश्वास है।" तुम आरंभ से ही गलत हो। परमेश्वर आपको इस से खेल करने के लिए वरदान नहीं देता।

45 जैसा कि मैं कुछ समय पहले कह रहा था, वह आपको दर्शन नहीं दिखाता कि इस से खेल करे। इसमें खेल करे का कुछ नहीं है। यह पवित्र है। इसमें प्रयोग करे... जैसे कि प्रभु आपको करने देगा। उसके एक कैदी बन

जाये। कोई मतलब नहीं आप उस व्यक्ति को कितना बताना चाहते हैं कि वह गलत है, वह यह क्या है आप शांत रहे जब तक परमेश्वर ऐसा ना कहें, जब तक परमेश्वर इस प्रकार कहता है। तब आप यहोवा यों कहता है, के साथ आ सकते है! जब तक नहीं कहता, बस इस विषय में भूल जाये।

46 आप आज संसार जैसा हिजकिय्याह तब था है, इसे चेतावनी दी गयी। इसे निरंतर चेतावनी दी गयी। कलीसिया को चेतावनी दी गयी। और अब यह चीजे संयोग से नहीं हुयी। इन सब के पीछे कुछ है।

47 अब हिजकिय्याह के बीमार होने के नाते, यह फोड़ा था, यह संयोग से नहीं था। परमेश्वर ने यशायाह को वहाँ भेजा और उससे कहा कि अपने घराने का प्रबंध कर ले क्यों, अब वह मरने वाला है। और हिजकिय्याह रोया, और परमेश्वर को बताया, "मैं तेरे सम्मुख सच्चे हृदय से चला और मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि एक कारण के लिये तू मेरे जीवन को रहने दे, एक अच्छे कारण से, परमेश्वर के कारण।"

परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता को बताया, बोला, "वापस जा और उसे बता।"

48 अब क्या यह विचित्र नहीं है? हिजकिय्याह राष्ट्र में एक महान व्यक्ति था। समझे? हिजकिय्याह एक राजा था और एक धर्मी पुरुष। वह एक वास्तविक मनुष्य था, यदि वह परमेश्वर से याचना कर सकता था, और परमेश्वर ने उसे इसके लिए डांट नहीं लगाई, "मैं तेरे सन्मुख सच्चे हृदय से चलता रहा।" अब यह पूरी बात कह दी गयी। समझे?

49 और परमेश्वर ने कभी नहीं कहा, "हिजकिय्याह, तूने यह नहीं किया," परंतु उसने मान लिया कि उसने यह किया है। और उसने कहा, "मैं करने जा रहा हूं—मैं तेरे जीवन को बढ़ाने जा रहा हूं।" समझे? "मैं तेरा अनुरोध तुझे देने जा रहा हूं," देखिये, क्योंकि वह एक धर्मी मनुष्य था, वह मसीह का एक सच्चा दास था।

50 और तब हम अनुभव करते हैं, कि हमारे पास कुछ मांगने का अधिकार है, यदि—यदि हमारा उद्देश्य सही है और तब हमारा प्रयोजन इस से।

51 अब आज हम देखते है बीते कुछ वर्षों से, मैं कहूंगा पिछले 15 या अधिक वर्ष निरंतर एक चेतावनी दी जा रही है सारे राष्ट्र में, "प्रायश्चित या नष्ट!"

52 आप ध्यान दे, आज पत्नी से बात कर रहा था, सुबह सुबह और मैं... जल्दी नाश्ते पर, हम टेबल पर बात कर रहे थे इसके पहले की मैं निकलता। और मैंने कहा, "पत्नी... " वह बिली ग्राहम और उसकी पत्नी के विषय में बातें कर रही थी, कि वह कैसे साधारणता और हर चीज में जीने का यत्न करते है। मैंने कहा, "वह एक वास्तविक सेवक है, जब कोशिश नहीं करता... जब वह... वह अपने अभियानों से वर्ष में 20 या तीस लाख बनाता है, परंतु वह प्राप्त नहीं करता, उसकी फाऊडेशन इसे लेती है, इसे फिर वापस काम में लगा देते हैं, और प्रसारण में और आदि। और बिली को लगभग 25 हज़ार वर्ष के मिलते है।"

53 उसने कहा, "वह एक वर्ष में 25 हज़ार कैसे खर्च कर पायेगा? "

54 मैंने कहा, "वह—वह लेता है जितना उसे चाहिये बस। उसको घर का भुगतान करना है और सारी चीजें।" मैं बढा और मैंने कहा, "मैं बिलीग्राहम का बहुत सम्मान करता हूं," मैंने कहा, "क्योंकि उसके पास एक संदेश है और वह संदेश प्रायश्चित का है।"

55 और फिर मैं आपको बताता हूं, कोई ऐसा नहीं जिसे मैं जानता हूं, आज इस राष्ट्र में कि परमेश्वर ने किसी को संदेश के लिये, जैसा बिली ग्राहम का उपयोग किया। ओह, उसको थपकी मिली है, और वह बस वहाँ खड़ा है और मेरा अर्थ, वह उन्हें राजनीतिक कहता है, और कलीसिया के सदस्यों को प्राश्चित के लिये। परंतु यह उतना ही दूर जितना वह जाता है।

56 और यहाँ भाई ओरल रोबर्ट है, प्रभु का एक महान सेवक। और वहाँ और कोई ऐसा नहीं निकला और जिसकी तुलना ओरल रोबर्ट से की जाये। यह तो बुल डोग की पकड़ है, प्रेत आत्माओं के निकलने में और प्रभु के नाम को पुकारना और—और थोड़ी संवेदनाये और आदि दिव्य चंगाई के विषय में। यह बिल्कुल ठीक बात है। वह पेंटीकोस्टल का एक संदेशवाहक है।

57 नामधारी संसार की कलीसिया का एक संदेश वाहक है, देखिये, और ठंडा संसार।

58 और फिर चारों तरफ अपनी छोटी नम्र सेवकाई को देखे, खड़ी हुयी है "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है," आप देखिये। यह क्या कर रही है? यह दुल्हन के झुण्ड को बुला रही है, आप देखिये। समझे? देखिये, ये—ये उन दोनों झुंडो में से बुला रही है। यह पहिये को पहिये में से निकालना है। आप देखिये मेरा क्या अर्थ है?

59 और तब परमेश्वर संदेश की पुष्टि करता है, जो बिली ग्राहम प्रचार करता है, औरल रॉबर्ट के प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर बीमारों को अच्छा करता है। और परमेश्वर चीजों को पैदा करता है कि यीशु... यह सिद्ध करता है कि यीशु मसीह कल आज और सर्वदा एक सा है और यह उन चीजों को पुकार रहा है... यह इस घड़ी का संदेश है। और प्रत्येक सन्देश यह पुकार रहा है, "प्राश्चित करो, या नष्ट हो जाओ!" यह ठीक बात है। "प्राश्चित, या नष्ट!" कोई आशा नहीं है, यह सब समाप्त हो गया। संसार को उसके आने की चेतावनी दी गयी है। उन में से प्रत्येक संदेश बोलता है और प्रभु यीशु के आने की चेतावनी देता है, कलीसिया और नामधारी दोनों को...

60 स्मरण रहे, परमेश्वर सदा तीन में है, जैसे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा; और न्यायोचित और... और पवित्रकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा; आदि वह तीन में है।

61 अब परमेश्वर वह प्राश्चित का संदेश कहलाने वाली कलीसिया के लिये है, परमेश्वर दिव्य चंगाई के संदेश में है, पेंटीकोस्टल कलीसिया के लिये, परमेश्वर दुल्हन के लिये संदेश में है। समझे? इसलिये हम पाते हैं कि वे सारे बुला रहे है, एक *इसमें*, *उसमें* और वह *उसमें*। परमेश्वर कलीसिया को संसार से बुला रहा है;... कलीसिया को नामधारी कलीसिया में से पेंटीकोस्टल में; और दुल्हन को पेंटीकोस्टल में से बुला रहा है। समझे?

62 जैसे लूथर, वेस्ली और अब। देखिये, ये सब सिद्ध प्रतीक हुये और इसमें इस विषय में कोई। गलती नहीं है, मैंने इसके सारे सिरे चारों और लागू किये और इसकी साईडे भी, इसका अंदर और बाहर और इसे वचन के द्वारा दर्शाया, इसका काल क्रम जब तक हम यह ना जान गये, कि यह पूरी रीति से सत्य है। समझे? इसमें कोई गलती नहीं है। रविवार को मैं आशा करता हूं, परमेश्वर इसे इतना गहरा ले गया कि आप इस से कभी भी अलग होने योग्य ना होंगे। समझे?

63 अब, परमेश्वर चेतावनी दे रहा है, "एक न्याय के लिये तैयार हो जाओ।" परमाणु बम व विमान शाला में लटके हुये हैं, हर चीज तैयार है और परमेश्वर, इसके पहले वह इस बात को घटित होने दे उसने सारे में एक बुलाहट की पुकार दी, जैसा उसने सदोम में किया, "इससे बाहर आ जाओ। तैयार हो जाओ। कुछ घटित होने वाला है।"

64 जैसा नूह के दिनों में, इसके पहले परमेश्वर संसार को नष्ट करें के लिये पानी भेजता बाढ़ से पहले उस महान संसार में जो की पाप में पड गये थे, जैसा कि यीशु ने स्पष्ट रीति से कहा कि ये वह दिन था जैसे कि यह है, "जैसा नूह के दिनों में था, वैसे ही मनुष्य के पुत्र के आने के पर होगा।" कैसे स्त्रियां उन्माद में है और—और विवाह कर रही है, और विवाह में दी जा रही है, और—और महान वैज्ञानिक उपलब्धिया और तेज शिक्षित, बुद्धि वालों की ओर जा रहे है, और छोटा नम्र झुण्ड एक और बैठा, रुके हुये न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है, और बच गया। और इसके पहले परमेश्वर उस न्याय को भेजे, उसने भविष्यवक्ता को भेजा।

65 जैसा उसने हिजकिय्याह के साथ किया, उसने कहा, "तैयार हो जा, क्योंकि न्याय होने वाला है।"

66 और उसने लोगों को समय के लिये तैयार किया। नूह ने लोगों को तैयार किया और यह न्याय से पहले अनुग्रह की पुकार थी।

67 नीनवे को मालूम पड़ गया था इसके पहले उनका समय हो। परमेश्वर ने नीनवे को देखा और उसने कहा, "मैं हूं—मैं हूं इन बातों से पीड़ित और थक गया हूं।" मैं—मैं—मैं समझता हूं कि—कि, यद्यपि वह महान मूर्तिपूजक अन्य जाति का संसार... उनके नगर जैसे वे उन दिनों में थे, वे अपने नगरों के द्वारा जांचते थे; आप यह राष्ट्रों के द्वारा अब जनसंख्या के फैलने के बाद जिस प्रकार से थे हुआ। उसने कहा, "कुल मिला कर पाप के लिये, यह महान नगर छोड़ दिया गया है।"

68 और इसके पहले परमेश्वर न्याय को भेजेगा, उसने चेतावनी का एक संदेश भेजा "इस से बाहर आ जाओ! जाओ, जाओ!" ध्यान दे, भविष्यद्वक्ता ने कभी नहीं कहा कुछ नहीं, केवल—केवल की तैयार... कहा, "चालीस दिनों में यह नगर नाश हो जायेगा।"

69 और ओह! कैसे कभी यह चीजें करना कठिन होता है जैसे कि यह कि लोगों को बताये, यदि भविष्यद्वक्ताओं ध्यान ना दे, वह परेशानी में पड़ जायेगा, क्योंकि वह एक प्रकार से एक और चला जायेगा, उसे सरल बनाने के यत्न में या थोड़ा समझौता करने यहाँ थोडा, वहाँ थोडा। परंतु वास्तविक भविष्यद्वक्ता परमेश्वर से आदेश पाता है किसी चीज पर समझौता कभी नहीं करना चाहिये, उसे बिल्कुल ठीक पंक्ति पर रहना चाहिये।

70 यही कारण है कि उसने ऐलिय्याह के आत्मा को इतना प्रयोग किया, देखिये, क्योंकि उस आत्मा ने सब परमेश्वर का आदेश पूरा किया। आप समझे? ठीक वैसे ही जैसा यह था, और सदा वचन पर वापस ही जैसा यह था और सब वचन पर वापस आया! समझे? उन्हें सदा वचन पर वापस लाया।

71 अब, हम पाते हैं नीनवे पाप में था। और भविष्यद्वक्ता असमंजस में था क्योंकि वे अन्यजाति लोग थे, देखिये वे अन्य जाति राष्ट्र थे, एक अन्यजाति लोग; ना कि उसके अपने, वे इब्रानी नहीं थे, वे अन्य जाती थे। एक बड़ा पानी का जहाज! नीनवे व्यापार का बंदरगाह था बड़ा मछली का करोबार वहां पर लोग मछली पकड़ते थे। और—और वे—वे थे... एक बड़ा पाप से भरा देश होना चाहिये, बहुत सारा पैसा; और—और जहाँ पैसा बहुत होता है, और लोगों में समय की आम धारणा पाप सदा अंदर आता है, और हिंसा।

72 परमेश्वर इस से उकता गया। इसलिये उसके पास राष्ट्र में एक भविष्यद्वक्ता था, इसलिये उसने उससे कहा उस भविष्यद्वक्ता से कहा, "वहां नीनवे को जा और जोर से चिल्ला कर कह कि, 'चालीस दिनों के अंदर नगर नष्ट होने जा रहा है।'"

73 अब, योना ने सोचा, "आप जानते है, मैं एक छोटी मुसीबत में पड़ सकता हूं।" इसलिये वह पूरी रीती से आवश्यक होना चाहता था, इसलिये उसने सोचा वह थोड़ा समय निकाल कर तर्शीश को जायेगा। और हमने पाया कि... कि केवल चालीस दिन बचे है। समझे?

74 इसलिये संदेश अत्यंत आवश्यक है, समय कम है। दूसरी बातों में ना लगे और कला संगठन स्नातक की डिग्री ले और कुछ ढूढे। समय निकट है! आज लोगों के साथ यही बात है, हम बड़े विद्यालय बनाने का यत्न कर रहे हैं और इस प्रकार की बड़ी चीजे, जब अनुग्रह... ओह! यदि हम प्रभु का आगमन प्रचार करते है तो हमें विद्यालयो की क्या आवश्यकता है? हमारी आवश्यकता परमेश्वर की ओर प्रायश्चित करने की है! समझे?

75 जैसा कि हडसन टेलर ने युवा मिशनरी से कहा उसने कहा... था एक चीनी नवयुवक उसके पास आया, वह बोला, "श्री टेलर," कहा, "प्रभु यीशु ने मुझे अपने आत्मा से भर दिया," कहा, "मैं बहुत ही प्रसन्न हूं!" कहा, कि "मैं अपनी डिग्री आदि लेने के लिए दस वर्ष लगाऊंगा? "

76 उसने कहा, "पुत्र अपनी डिग्री की प्रतीक्षा ना करो, यदि चिराग जलता है, जाकर बताओ! जाओ यह बताओ। डिग्री की प्रतीक्षा ना करो। नहीं, इसके पहले तुम यह करो तुम अपनी अपनी डिग्रियों के साथ आधे समाप्त हो जाओगे।"

77 जब यह जलती है, यदि तुम कुछ नहीं जानते हो, बस यह बताओ यह कैसे जली। और किसी और के स्थान को लेने का यत्न ना करो, या कोई स्थान। जब तुम यह जानते हो बस जा कर बताओ, जो सत्य तुम जानते हो, "इसी प्रकार से यह मुझ पर आया और यही जो इस विषय में मैं अनुभव करता हूं।" ये... यदि तुम इस से अधिक नहीं जानते, तो कहो! आओ चले! संदेश आवश्यक है, समय निकट है।

78 अब क्या हो यदि यशायाह कहे, "भाई, मैं अब प्रतीक्षा करूंगा और देखुंगा कि वह इस फोड़े के साथ क्या करेगा, पहले, आप देखिये। देखिये कैसे—कैसे थे... "?

79 देखिये, परमेश्वर ने उसे बताया, "जाकर वहां उसे बता इसी समय!" समझे?

और उसने योना से जाने को कहा। ओह, प्रभु!

80 और जब वह समुद्र में चला गया और उस गहरे समुद्र में और जहाज तूफान में डावा–डोल हो रहा था, और उन्होंने खेमे वाले पाल उठा दिये, और चक्कर खाते रहे और आश्चर्य कर्म कर रहे थे इस संसार में क्या मामला है। परंतु वे समाज ना सके ऐसा लगा चीजों में पानी भर रहा है। और—और हर व्यक्ति अपने ईश्वर को पुकारा था और पहली बात आप जानते है... योना अपनी छुट्टियां पर था, इसलिये उसने सोचा कि वह एक अच्छी नींद लेगा और वह जहाज के नीचे वाले तल में चला गया होगा और पैरों को टिका कर लेट गया, सो गया। और उसने कहा, "ओह, आलसी उठ और अपने परमेश्वर को पुकार!" और योना को मालूम था कि क्या गड़बड़ थी।

इसी प्रकार हर मनुष्य जानता है कि आज क्या गड़बड़ है! समझे?

81 और उसने कहा, "यह सारी मेरी गलती है। मुझे लेकर मेरे हाथों को बांध दो और मुझे उठा कर समुद्र में फ़ेक दो और तब यह परेशानी खत्म हो जायेगी।" और वे एक प्रकार के सज्जन—पुरुषों का झुण्ड थे, और वे यह नहीं करना चाहते थे, परंतु उन्हें मालूम पड़ा कि वह एक भविष्यद्वक्ता है और जानता है कि वह क्या बात कर रहा है। उसने कहा, "मैं—मैंने सोचा

पहले मैं अपनी छुट्टियां बिताऊगा, परंतु—परंतु परमेश्वर नहीं चाहता है, मैं इन छुट्टियों को लू, मुझे वहां पहुंचना है, वहाँ करने के लिये काम है। मैंने सोचा वहां जाने से पहले थोड़ा सा आराम कर लू, परंतु मुझे जाना ही है संदेश आवश्यक है, मुझे वहां पहुंचना है।"

82 मैं कल्पना करूंगा, जब वह विशेष तैयार की गयी मछली योना को नीचे अपने पेट में ले गयी, उसने मुंह के बल हो कर और पानी को सारे राष्ट्र पर फैका और उसने नीनवे के लिये ले गयी थी जितनी जल्दी वह जा सकती थी। परमेश्वर और संदेश को वहाँ ले जा रहा था, उस विशेष तैयार की गई मछली से। और वह नीनवे के लिये ले जाया गया जितनी जल्दी वह ले जाया सकता था वहां पर। उसने गलत नाव पकड़ी, परंतु परमेश्वर ने उसके लिये एक नाव दी।

83 इसलिये आप जानते है, परमेश्वर महान चीजे करने के योग्य है, यदि हम उसकी सुनें। समझे? वह—वह बनायेगा वह वहां मार्ग बनायेगा, जहाँ कोई मार्ग नहीं है। वही मार्ग है। समझे? और जब संदेश बहुत ही आवश्यक है, जैसा कि यह आज है, परमेश्वर मार्ग निकालता है।

84 हम फिर ध्यान देते हैं जब आमोस... मैंने इस व्यक्ति पर प्रचार किया है आमोस पर। यदि आप कभी वह कहानी पढ़ना चाहेंगे, यह महान है, आमोस की कहानी को पढ़े, आमोस का पहला अध्याय। वह एक दूसरे प्रकार का इसके पहले की न्याय पाप पर आये, चेतावनियाँ। अब, वह नगर जिसके विरोध वह चेतावनी देने जा रहा था वहां पर, एक यहूदियों का झुण्ड जो—वे सारे एक प्रकार से पंती से हट गये थे और पर्यटकों का महान केंद्र बन गये। और—और मैं कल्पना करता हूं जैसे कि मैंने उस प्रांत चित्रण किया, उस पर बोलते हुये जब उसका गंजा सिर, उस पहाड़ की चोटी पर पहुंचा और उसकी छोटी मिची सी आंखें जैसे उसने नीचे देखा और उस महान राष्ट्र के पाप को देखा और लोग और उसने अपने दाढ़ी में उंगली चलाई। ओह, क्या बात है! परंतु कोई नहीं जानता कि वह कहां से आया।

85 उन भविष्यद्वक्ताओं को कोई नहीं जानता, वे बस कहीं से उठते है और उसी प्रकार से चले जाते है।

86 परंतु वह नगर में, "यहोवा यों कहता है, के साथ गया! प्रायश्चित करो या नष्ट हो जाओ! क्योंकि परमेश्वर इस राष्ट्र को नष्ट कर देगा। वह इस स्थान

को पृथ्वी पर से मिटा देगा। तुमने अपने शत्रु से एक समझौता किया है। और तुम—तुम शांति से हो, तुम सोचते हो तुम अपने शत्रु के साथ, परंतु सारे समय से अशशुरी वहां बढ़ते जा रहे है। तुम दोनों एक साथ नहीं चल सकते, जब तक कि तुम सहमत ना हो। बस।" इसलिये उसने कहा...

87 और परमेश्वर हम से चाहता है, कि हम अपने आप को अलग रखे। वह हम से चाहता है, "संसार से बाहर आ जाओ," संसार के साथ जीने का यत्न ना करो और परमेश्वर के साथ भी और संसार की रीतियों के साथ होने का यत्न ना करो और परमेश्वर के पीछे। आपको एक के लिये जीना है, या दूसरे के लिए आपको एक का या दूसरे का विश्वास करना है।

88 और अब हम यह पाते है, कि आमोस, उसने निश्चय ही एक न्याय की भविष्यवाणी इन लोगों पर की, सिवाये कि वह प्राश्चित करे। (और—और मेरा, अमूक–अमूक हमारे दिन में सही बैठता है।) मैं सोचता हूं ये महान नगर, जैसे कि इसमें होते हुये हम फिर इसे पीछे देखते है, वहाँ एक बड़ा नगर है कैसे उसे सब कुछ दिया गया है गया है, और—और वह महान अर्थ व्यवस्था उनके पास हर चीज है बहुतायत से। और उन्होंने सोचा कि वे ठीक परमेश्वर की इच्छा में है, क्योंकि वे धनी थे। परंतु उन्होंने पाया कि परमेश्वर सदा सृमद्धि में नहीं होता। नही, परमेश्वर... कभी जब कलीसियाओ में सृमद्धि होती है, ये उस से दूर हो जाते है।

89 आप जानते हैं, एक बार परमेश्वर ने इसराइल के विषय में कहा, "मैंने तुझे खून में लथपथ मैदान में पड़े पाया, और मैंने तुझे धोया और अंदर लाया," कि उसका अपना बालक बन जाये। "और तब जब तुम बड़ी हो गयी और एक सुंदर युवा स्त्री, तो तूने वैश्या का कार्य किया।" उसने कहा, "तू—तू—तूने अपने को हर पास से निकलने वाले को दे दिया।" समझे? "परंतु जब तू कंगाल और आवश्यकता में थी, जब—जब तुझे आवश्यकता थी, तूने मेरी सेवा की, परंतु जब मैंने तुझे आशीषित किया और तुझे बहुत दिया, जब तू मुझ से दूर हो गयी।" और यह ठीक है ऐसा ही सिद्ध हुआ। ओह, प्रभु!

90 अब हम पाते है कि इस भविष्यवक्ताओं ने वास्तव में राष्ट्र पर प्रहार किया, इस आमोस ने, वह तो बस जोतने वाला था। परंतु हम पाते हैं कि जब उसने प्रहार किया, और उन्हें बताया कि यह क्या होगा और उन्हें

बताया कि यदि वे परमेश्वर के साथ ठीक नहीं हुये और उस शत्रु को जिस से उन्होंने साजा किया है, वही होगा जो उन्हें नष्ट कर डालेगा।

91 अब हम पाते है कि हमारा घमंड, अमेरीका परमेश्वर के क्रोध से बचने वाला नहीं है, जैसे कि मैंने एक दिन कहा, जब मैं यहां पर था मैं निश्चित हूं ये नहीं था कि हर चीज अंत पर है। आप जानते है, मैं यहाँ बनाने के लिये कुछ नहीं देख सकता, आप राजनीति को नहीं बना सकते, यह समाप्त हो गयी। आप—आप सामाजिक जीवन को नहीं बना सकते, क्योंकि यह इतना अनैतिक हो गया, वहां—वहां—वहां कुछ भी नहीं है, जो आप वहां बना सकते हैं। और आप किसी चीज में आशा नहीं कर सकते।

"कलीसिया के विषय में क्या है? "

92 भाई, आप कलीसिया के साथ कुछ नहीं कर सकते, यह इतना औपचारिक हो गयी है और समाप्त हो गयी कि वहां कुछ नहीं बचा। उन्होंने अपना जन्म सिद्ध अधिकार बेच डाला उस खाने के लिये और वे बस न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पवित्र आत्मा इस राष्ट्र को पार कर गया है अपने चिन्ह और आश्चर्यकर्म दिखा रहा है, और वे लगातार उसके अनुग्रह को ठुकरा रहे है। वह अपने आप को प्रकट और सिद्ध करता है, अपने महान प्रगटीकरण के द्वारा, कि वह परमेश्वर का वचन है जो इस दिन में प्रगट हुआ है, और वे फिर भी इसे ठुकरा रहे हैं। समझे? अब कुछ नहीं बचा, आप परमेश्वर के साथ सदा ये नहीं करते रह सकते है। समझे?

93 ठीक है, पहले हम यह पाते है कि उसने अपने भविष्यव्यक्ता को चेतावनी के साथ भेजा। उसने अपनी विधी नहीं बदली, उसके चीजों के करने की विधी।

94 वह सदा प्रहार नहीं करता जब वह चेतावनी देता है। मैं चाहता हूं कि आप इस अवतरण पर ध्यान दे। परमेश्वर एक चेतावनी देता है परंतु वह सदा उसी समय प्रहार नहीं करता, वह चेतावनी देता है। क्या आपने इस पर ध्यान दिया? और तब जब वह प्रहार नहीं करता जब वह चेतावनी भेजता है, तब भविष्यद्वक्ता का उपहास उड़ाया जाता है, "तुम्हें नहीं हुआ तूने झूठ बताया, तू—तू ठीक नहीं था।"

95 यही बात यशायाह से कही जा सकती थी। आप क्या सोचते हैं कि उस मनुष्य ने सोचा जब उसने वहां जा कर भविष्यवाणी की, कि, "राजा

मरने जा रहा है," फिर वापस आ कर और बोला, "नहीं वह जीने जा रहा है? "

96 योना के विषय में क्या है, सड़कों पर यह कहता हुआ जा रहा है, "ओह, यह नगर इतने दिनों में नष्ट होने जा रहा है चालीस दिनों में, " और फिर परमेश्वर ने यह नहीं किया?

97 देखिये, आपको ध्यान देना है जब वह चेतावनी देता है तो वह सदा प्रहार नहीं करना चाहता। परंतु वह... एक ही बात है, कि भविष्यद्वक्ता का उपहास उड़ाया गया, परंतु यदि वह प्रभु के वचन से प्रमाणित भविष्यवक्ता है तो प्रमाणित हुये परमेश्वर के चिन्ह को देखे, जैसा परमेश्वर ने कहा भविष्यवक्ता प्रमाणित हुआ होगा (जो कि ये मनुष्य थे), देखिये, उसका वचन उसका नहीं परंतु यह परमेश्वर का है और यह घटित होगा, यदि यह परमेश्वर का वचन है, तो इसे घटित होना ही है। केवल एक ही बात इसे रोक सकती है वह तुरंत प्रायश्चित करें।

98 ध्यान दे, आमोस वह अपनी भविष्यवाणी को देखने के लिये जीवित रहा, परंतु जब आमोस ने उस नगर के विषय मे कहा कि यह कैसे होने जा रहा है, कैसे परमेश्वर सीरियनो के आने का कारण, कि आ कर उन्हें ले ले और इस प्रकार से और आदि और कैसे उनका अपना भ्रष्टाचार उन्हें खा जायेगा। क्यों, मैं विश्वास करता हूं यदि यह सही है, अब... मैं यहाँ वचन को देख रहा हूं और यदि मैंने इसे ठीक गिना है तो यह आमोस की भविष्यवाणी के पचास वर्ष बाद। और अब आप क्या सोचते है? आमोस के सामने पूरी पीढ़ी बीत गयी, भविष्यवाणी पूरी हो गयी। परंतु यदि आप यहां पढेंगे, यह आपको बताता है, और यह अक्षर अक्ष पूरा हुआ जो उसने कहा। समझे?

99 यूहन्ना ने प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को देखा, यह उसके दिनों में कभी घटित नहीं हुआ। परंतु हम देखते हैं, यह ठीक वैसे ही घटित हुआ। समझे?

100 डेनियल ने उस दिन भविष्यवाणी की, अपने दिन में और आगे होते हुये। वह इसे देखने के लिये कभी जीवित ना रहा। उसने कहा, "डेनियल अपने मार्ग पर चला जा। पुस्तक को बंद कर दे, और पुस्तक को बंद कर दें और तू अपने भाग में सो जायेगा परंतु उस दिन तू खड़ा होगा।" समझे?

101 अब आप देखिये... आप सदा नहीं... परमेश्वर... जल्दी प्रहार नहीं करता, जैसे उसने भविष्यवाणियों की। आमोस की भविष्यवाणी जैसे मैंने कहा, यह पचास वर्ष बाद था, यह घटित हुआ। परंतु यह घटित हुआ!

102 और फिर भविष्यवक्ता एक—एक है... बाइबिल का... एक वास्तविक सच्चा भविष्यवक्ता एक विशेष व्यक्ति है। "विशेष," नही, किसी से कोई भिन्न नहीं; परंतु उसके पास एक विशेष कार्य होता है। समझे? और उसके पास विशेष प्रतिकार होता है, उसे विशेष होना है (ओरो से थोड़ा अलग हट कर) कि उस कार्य को करे।

यह इस प्रकार से है कि परमेश्वर ने अपने *भविष्यद्वक्ता* को "एक उकाब" के समान पसंद किया।

103 अब उकाब एक विशेष पक्षी है। वह एक पक्षी है, परंतु वह एक विशेष पक्षी है। और वह दूसरे पक्षियों से अधिक ऊंचा उड़ सकता है, वह दूसरे पक्षियों से अधिक दूर देख सकता है। और अब ऊंचाई पर जाने के लिये, वह ऐसा बना है कि वह ऊंचे पर जा सके। इस से उसका क्या भला होगा कि ऊंचे पर जाये जब तक की वह यह ना देख सके, कि वहां जा कर वह क्या कर रहा है? समझे? इसलिये उसे विशेष बना हुआ पक्षी होना है। समझे? उसे बाज के परिवार का सा होना है, "वह चोच से फाड़ने वाला है।" और वह खाता है... उन में से बहुत से मरे हुये को खाने वाला होते है। लगभग चालीस प्रकार के उकाब होते है।

104 परंतु, आप देखते हैं वहां कलीसिया में एक पास्टर है, और वह पास्टर एक विशेष व्यक्ति है। वह बना है जहाँ सके—उसे लोगों के झगड़ों में डाला जा सकता है। वह—वह वह एक बोझ उठाने वाला है, वह उस दल का बैल है। वह—वह मनुष्य है, जो बैठ सकता है जब... किसी का किसी से कुछ विरोध है और उन दो परिवारों के साथ बैठ कर (और किसी का भी पक्ष ना लेते हुये) और कारणों को बाहर करके और वापस मिठास में लाना। समझे? वह—वह एक पास्टर है, वह जानता है कि चीजों की चिंता कैसे की जाये।

105 सुसमाचार फैलाने वाला एक विशेष मनुष्य है। वह एक ऐसा मनुष्य है जो आग के गोले के समान जलता है। वह एक नगर में जाता है और अपना संदेश प्रचार करता है और फिर वहां से कहीं और चला जाता है, देखिये वह एक विशेष मनुष्य है।

106 शिक्षक एक विशेष मनुष्य है। वह आत्मा के अभिषेक में पीछे बैठता है, और योग्य है वचनों को पवित्र आत्मा के द्वारा ले कर एक साथ मिलाता है, कि पास्टर और सुसमाचार फैलाने वाला, किसी की भी तुलना उस से नहीं की जा सकती।

107 और फिर, हम पाते है प्रेरित एक विशेष व्यक्ति है। वह एक वह—एक "व्यवस्था को व्यवस्थित" करने वाला। वह एक मनुष्य है, जो परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ है कि चीजों को व्यवस्थित करे।

108 भविष्यवक्ता एक विशेष मनुष्य है। एक भविष्यव्यक्ता वह मनुष्य है जिसके पास प्रभु का वचन आता है, क्योंकि भविष्यवक्ता इस प्रकार का बना होता है (जीवन) की उसका उपविवेक और उसका पहला विवेक इतने पास होते हैं कि उसे स्वप्न देखने के लिये सोना नहीं पड़ता, वह जब जगा हुआ होता है वह इसे देखता है। समझे? यह कुछ है जिसे परमेश्वर को करना होता है, वह देखता है कि क्या हो रहा है।

109 एक भविष्यवक्ता पहले से ही देखता है, आने वाली चीजों को देखता है, वह परमेश्वर के क्रोध को देखता है इसके पहले की प्याला भर जाये। समझे? वह "यहोवा यों कहता है! वह कहता है! परमेश्वर इन नगर को यदि प्रायश्चित नहीं किया तो नष्ट कर देगा।" क्यों? वह एक उकाब है। वह दूर की सवारी करता है। समझे? वह वहां से हट कर दूर कर देखता है और देखता है कि क्रोध का प्याला उंडेला जा रहा है, यही जो भविष्यवक्ता देख रहा है, जो यहां चल रहा है, वह यह नहीं देखता वह उधर देखता है! वह कह रहा है, "ये आ रहा है!" वह इतना ऊंचा जा सकता है, जब तक की परछाई देख सकता है। उसने कहा, "संसार अंधकार—अंधकारमय हो जायेगा और घना अंधेरा।" वह इतनी ऊंचाई पर है कि अब सूर्य चमक रहा है परंतु वह उस छाया को आते देखता है और वह—वह—वह कह रहा है, जो वह देख रहा है। ये अभी यहाँ नहीं है, परंतु ये निश्चित ही यहां होगा! यह ठीक बात है। यह यहां होने जा रहा है लोगों पर घना अंधकार है। वह जानता है, आने वाला वर्षों में यह यहां होने जा रहा है, फिर भी वह ये देखता है।

110 आमोस वह परमेश्वर का अभिषिक्त भविष्यवक्ता उसने अंधकार को देखा और न्याय को। वह सीरिया को उसके रथों के साथ आते देखता है और वहां पर साफ कर देता है और लोगों को बात करता है। उसने यह

आते हुये देखा, और परमेश्वर का न्याय उन पर है अब यह पचास वर्ष पहले घटित हुआ। परंतु, आप देखिये भविष्यवक्ता होने के नाते, वह आत्मा में उठा लिया गया और उसने यह दूर से देखा। समझे? उसने प्याले को भरा हुआ, देखा, इसके पहले कि वह भ रा था।

111 जैसे अब्राहम, परमेश्वर ने अब्राहम को बताया, "तेरा वंश इस देश में आयेगा और चार सौ वर्ष तक परदेसी रहेगा, और फिर मैं उनको अपने सामर्थ हाथ से बाहर ले आऊंगा क्योंकि अमोरियो का पाप अभी पूरा नहीं हुआ है।" समझे? परमेश्वर को मालूम है कि वह प्याला पूरा भरने वाला है। वह अपने भविष्यद्वक्ता के साथ बातें कर रहा है, वह उसे अब बता रहा है, "आप अमोरियो के प्याले को वहां पर वहां पर देखते है," देखिये, "परंतु उनके पाप का प्याला अभी भरा नहीं है अब्राहम, अब इस विषय में कुछ ना कह, रोके रह, परंतु यह आयेगा। और जब उनका प्याला भर जाता है, और वे चार सों वर्ष में मैं उन्हें तुम्हारे सामने से टीडियो के सामान निकाल दूंगा और मैं तेरे वंश को यहाँ इस देश में स्थिर करूंगा।" आमीन! यह प्रभु का भविष्यवक्ता है।

112 अब जब अपने दर्शन के विषय में बोलता है चाहे ये क्रोध है या चाहे, ये चंगाई है, देर हो सकती है, परंतु इसे घटित होना ही है, यदि यह उसने प्रभु के नाम में हो कर बोला है। समझे? यह आशीष हो सकती है, जो उसने आपके लिये बोला है, वह आपको निश्चित बात बता सकता है, और आप इसे बिल्कुल नहीं देख सकते। आप कहते है, "यह कैसे हो सकता है? क्यो, यह एक... मैं—मैं—मैं उसने मुझे 'यहोवा यों कहता है कहा है, "*यह* घटित होने जा रहा है, और *ये* होने जा रहा था,"' और ये नहीं हुआ। तो वह मनुष्य गलत है!" अब आपका इस पर अविश्वास के लिये न्याय होगा, परंतु जो भी है यह घठित होने जा रहा है! समझे? इसे तो होना ही है!

113 "यद्यपि यह देर से है," बाइबल ने कहा, "फिर भी यह अपने समय में बोलेगा।" यह घठित होगा।

114 भविष्यवक्ता को केवल देख रहा है और कुछ होते हुये देख रहा है। जो वह देख रहा है उस विषय में वह बात कर रहा है। वह यहां के विषय में नहीं सोच रहा है, और आप अब कैसे दिखाई दे रहे है, वह देख रहा है, क्या होने जा रहा है। और जब वह यह बोलता है, यदि यह प्रभु का वचन नहीं है,

या पहले ही बोला जा चुका है और संसार में ऐसा कुछ नहीं है जो इसे रोक सकता है (आप देखिये ये सही बात है) केवल परमेश्वर स्वयं।

115 ध्यान दे, अब हम पाते हैं कि जब... वह—वह अपना दर्शन बोलता है जो भविष्यवक्ता करता है, अब कभी वह अच्छी बातें बोलता है, वह आपकी चंगाई के लिये बोलता है। ठीक है, आप सोच सकते है, "यह तो नहीं हो सकता, मेरे पास कुछ अच्छा नहीं है।" तब ये क्या करता है? ये परमेश्वर के न्याय को आपके ऊपर लाता है। यह ठीक बात है। समझे? यीशु ने आपको बचाने की प्रतिज्ञा दी है, यदि आप विश्वास करेंगे; यदि आप इसका विश्वास नहीं करते तो यह नहीं—यह आपके लिये नहीं होगा, आपको यह स्वीकार करना ही है। समझे? और आपको जानना चाहिये कि यह कहां से आता है, ये आपको परमेश्वर में विश्वास देता है; या आपको भविष्यवक्ता। समझे? आपको इसका विश्वास करना ही है।

116 और अब हम यहाँ ये पाते है, कि ये भविष्यवक्ता जो बोले वे—वे बोले और जो उन्होंने कहा वह घठित हुआ। और यदि परमेश्वर का क्रोध लोगों पर उंडेल गया तो केवल एक ही चीज है... यदि उस भविष्यवक्ता से कहा कि कुछ और घटित होने जा रहा था केवल एक ही चीज है जो परमेश्वर के हाथ को रोक सकती है, और वह प्रायश्चित है। वह प्रायश्चित परमेश्वर की ओर, ये उसके क्रोध को रोक सकता है। और इसकी प्रतीक्षा ना करे, इसे तभी करे! परमेश्वर कुछ भी कहता है, उसे तभी कर ले।

117 हिजकिय्याह जैसे ही उसे मालूम पड़ा... वह एक भला मनुष्य था, परंतु परमेश्वर ने कहा, कि, "तेरा समय आ गया है, हिजकिय्याह, और मुझे—मुझे तुझे लेना है, मैं—मैं चाहता हूं, मैं तुझे लेने जा रहा हूं। अपने सारे घराने को व्यवस्थित कर ले।"

118 और उस—उसने कहा, "इसके लिये मुझे 15 वर्ष चाहिये, प्रभु।" समझे? "अब ये आप है... मैं—मैं—मैं जानता हूं कि मैं जा रहा हूं, परन्तु मुझे अपने घराने को सुव्यवस्थित करने के लिए पन्द्रह वर्ष लगने वाले हैं। मैं इसे अभी नहीं कर सकता। इसे करने के लिए मेरे पास समय नहीं है। मैं—मैं—मैं इसे नही कर सकता, प्रभु मुझे और पन्द्रह वर्ष जी लेने दे ताकि मैं इस काम को कर सकू। मैं अपने घराने को नहीं कर सकता... "

देखिये, परमेश्वर का कार्य अधिकार था, "अपने घर आने को ठीक—ठाक कर!"

119 और हिजिकिय्याह ने कहा, "मैं ये इस वर्ष मैं नहीं कर सकता, इसमें मुझे समय लगेगा, मैं *इसे* वापस लुंगा, *इसे* बनाऊंगा, इसे इस व्यक्ति के पास हो जाऊंगा, यहाँ पर इसे करने में मुझे पंद्रह वर्ष लगेंगे। इसे करने के लिये, मुझे छोड़ दे, मुझे करने को... मुझे करने दे... इसे करने के लिए थोड़ा समय दे।" समझे?

120 तब परमेश्वर ने कहा, "मैं दुंगा—मैं दुंगा, ढील दुंगा।" परंतु उसे मरना होगा, जो भी है, आप देखिये।

121 और तब फिर उसने अपना समय लिया और उस समय में वह पिछड़ गया। समझे? और वह अच्छा रहता, वह अच्छा होता, यदि वह इसके लिये बिना चला जाता कि इसे व्यवस्थित करें। यह ठीक बात है। परंतु उसने पन्द्रह वर्षो का समय दिया कि अपने घराने को ठीक कर ले। क्योंकि उसने जल्द ही, अपने घर आने को ठीक कर ले। क्योंकि उसने जल्द ही, उसने क्या किया? उसने कहा, "प्रभु मैं सुस्त हूं। इसे करने के लिए मुझे पन्द्रह वर्ष चाहिये, तूने मुझे अधिकार दिया है कि अपने घर को व्यवस्थित कर लू। मैं इसे पन्द्रह वर्षो में कर लुंगा क्योंकि यहाँ मुझ पर उधार है, और यहां *ये* मेरे पास है और यहां *यह* करने के लिए है।"

122 अब वह एक धर्मी पुरुष था और परमेश्वर का वचन तो पूरा होना ही है, जो भी हो, जो भी हो, इसे तो घटित होना ही है, परंतु उसने इसे थोड़ी देर के लिए रोक दिया, उसके लिए रोक दिया। तब समय के चलते, उसने पाप किया। उसने कहा, "मैं इसे उसके ऊपर नही आने दुंगा, परंतु मैं इसे उसके बालकों पर आने दुंगा।" उसके बाद आपको कहानी मालूम है।

123 अब, हम पाते हैं कि यह तुरंत प्रायश्चित, परमेश्वर के क्रोध को कभी—कभी थोड़े समय के लिए रोक लेता है।

124 अब हम पाते हैं कि नीनवा... परमेश्वर ने कहा, "वहां जाकर नगर में चिल्ला और उन्हें बता, 'यदि... चालीस दिनों में चीजे गिरने वाली है।'" और, ओह, क्या उन्होंने कभी प्रायश्चित किया! जैसे ही उन्होंने भविष्यव्यक्ता को सड़क पर यह कहते आते देखा, "यहोवा यों कहता है, 'यह स्थान चालीस दिनों में गिर जाएगा, यह स्थान गिर जाएगा!'" वो...

125 यहाँ तक कि राजा ने सारे देश में उपवास और विलाप आपकी आज्ञा दी, "टाट ओढ़ लो, राख डालो! ना ही केवल अपने सिर पर, और अपने

देह पर, अपने शरीर पर, परंतु अपने पशुओं और मैदान के जानवरों पर राख और टाट डालो।" क्या ही प्राश्चित है!

126 अब जब हम वहां पाते हैं, हम ध्यान देते है, यदि भविष्यवक्ता जल्द ध्यान ना दे, देखिए वह अपनी समझ को लेकर और परमेश्वर के पास जाता है, आप ठीक वहां पर कुछ पाएंगे, यदि आप ध्यान ना दे...

127 अब यशायाह को देखे, उसने अपनी भविष्यवाणी बोली और वापस अपने जंगल की झोपड़ी में चला गया। और जब उसने यह किया, प्रभु ने पलटकर राजा से कभी भी बात नहीं की, जो प्रार्थना कर रहा था। चीजों को करने की उसकी अपनी एक विधि है। वहां देश में भविष्यव्यक्ता था। प्रभु का वचन उसके भविष्यवक्ता के पास आता है। वह वहां गया और कहा, "यशायाह वापस जा और उसे बता कि मैंने उसकी प्रार्थना सुनी है, मैंने यह समझ लिया है कि... कि वह सोचता है कि उसे इसके लिये पंद्रह वर्ष लगेगे। मैंने उसके आंसू देखे है, क्योंकि वह इस कार्य को बहुत ही आवश्यक रुप से करना चाहता है, उसे पंद्रह वर्ष लगने जा रहे है, उसने कहा यह करने के लिये। जा कर उसे बता कि मैं या उसे दे दूंगा।" समझे?

128 क्यों? उसने अधिकार दिया—उस उसने यशायाह को अधिकार दिया जा कर उसे बता, "यहोवा यों कहता है!" तब यदि इसमें कोई बदलाव आता है या देर होती है... जो भी है यह घठित होने जा रहा है; वह—वह वैसे ही मरा। परंतु कहा... यदि इसमें कुछ है तो फिर वह उस मनुष्य के पास वापस आने को बादय है जिसने ये उसके पास भेजा यहोवा यों कहता है। उसने यशायाह को बताया, "वापस जा कर और उसे बता।"

129 अभी, योना ने भिन्न–भिन्न व्यवहार किया, पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया और बोला, "यह अच्छा होता यदि मैं कभी जन्मा ही ना होता।" और, ओह, और कैसे वह आगे बढ़ा! और परमेश्वर ने छोटे रेडे को उगाया और उसके लिए थोड़ी छाया हुयी जब तक वह ठंडा ना हुआ। परंतु उसने कहा, "अब यहां मैं वहां नीचे गया और वे यह करने जा रहे हैं, कि मैं एक झूठा भविष्यवक्ता हूं।"

130 और परमेश्वर उस से बोला, कहा, "वहां नीचे उस नगर को देख, योना वहां देखा, सारा नगर टाट और राख के साथ प्रायश्चित कर रहा है।"

131 और तब उसने उसे छोटे रेड़े के विषय में बताया, और वह कीड़ा उसे काटा। एक दिन प्रभु ने चाहा, मैं आराधनालाय मैं आ कर योना पर क्रम से

लूंगा, ओह वहाँ बहुत से महान... वह पूर्वी हवा चली और सब ओह! वहां उस में बहुत सी बातें हैं, यह बस... यह रोमांचक है। वे सोने की डालियाँ वहां पर है, वहाँ सब प्रकार की उपयुक्त है। यह यहां तक कि यीशु मसीह को भी अंदर लेता है और बहुत सारे बातें। निसंदेह बाइबल की हर पंक्ति यीशु मसीह को लाती है, जी हां श्रीमान, यह हमारा रविवार का पाठ है, इसलिये हम इसे पर लेंगे प्रभु ने चाहा तो।

132 और ध्यान दे, वहाँ चीज है जो आप... यदि आप सच्चे हैं, और परमेश्वर को बताये... अब आपको ध्यान देना होगा।

133 अब मैं आपको दूसरा योना दिखाना चाहता हूं, आज रात्रि इस प्रकार मंच पर।

134 एक रात्रि वहां कुछ लोग थे जो यहां आये। वह महिला, हो सकता है (उनके कुछ लोग) आज यहां हो, इसलिये मैं नाम नहीं लुंगा, संवत आप जानते हो कि वह कौन है। परंतु वे यहाँ आये केंटकी से एक अच्छे लोग का झुण्ड और वे यहाँ वर्षों से आ रहे है, परंतु अच्छे लोग होने के नाते वे मेरे अच्छे मित्र है, ओह, वे थे—वे मेरे वास्तव में मित्र थे, परंतु वे... वे एक उस प्रकार के लोग थे कि जब बेदारी चल रही होती थी; वे कलीसिया में आ सकते थे; जब बेदारी समाप्त हो जाती थी और बोझ खेचा जा रहा था, कोई भी नहीं खीचेंगे। और सारे बालक यहां पालने की सूची में थे, उनके पास... जब हमारी कक्षायें होती थी और चीजें।

135 और एक दिन मैं घर आया लगभग चार वर्ष पहले या पांच कुछ इसी तरह से। और ये युवा लड़की, (जो कि लगभग आठ वर्ष की थी जब वह पालने की सूची में थी) उसका विवाह हो गया था और उसके पास दो बालक थे। और वह यहाँ अस्पताल में पड़ी थी, मृत्यु के समीप। उसके साथ लगभग चार या पांच महीनो का बालक था; और बालक मर गया था। और वे उसका ऑपरेशन नहीं कर सके, क्योंकि उसके शरीर में जहर फैल गया था। और ऑपरेशन नहीं कर सकते थे इसलिये माँ को भी मरने दिया, ऑपरेशन नहीं कर सकते थे और देखिये और बालक उसे इस प्रकार मार डालेगा, इसलिये वे... वह बस मर रही थी, उसके लिये कोई अवसर नहीं था।

136 मैं उसे देखने को गया, उसने मुझे बोला बुलवाया था। और मैं अस्पताल में देखने गया, और वहां ऑक्सीजन लगी हुयी थी। मैंने ऑक्सीजन के तंबू

का पर्दा उठा कर, उस से थोड़ी बातें की और मैंने कहा, "आपको मेरी याद है? "

उसने कहा, "निश्चित ही भाई बिल, मुझे आपकी याद है।"

137 मैंने कहा, "यह कैसे है... क्या आप समझती है, कि आप कितनी बीमार है? "

उसने कहा, "मैं जानती हूं।" कहा, "इसलिये मैंने आपको बुलवाया है।"

मैंने कहा, "ठीक है, क्यों आपका प्रभु के साथ? "

उसने कहा, "भाई बिल, मैं—मैं... मैं—मैं जाने के लिये तैयार नही हूं।"

138 अच्छा, तो हम वही झुक गये और प्रार्थना की और उसकी माँ और उसका पति उनमें से बहुत से कमरे में थे और उसकी माँ और उसके पति ने रोना शुरु कर दिया। और—और फिर मैं—मैंने उस से पूछा और उसने परमेश्वर के संग ठीक कर लिया (प्रतीज्ञाये पूरी की और वापस आ कर परमेश्वर से प्रतिज्ञा की; और यदि उसे क्षमा कर दिया जाता है; उसने उस से कितना प्रेम किया; और अपने पापो के लिये खेद जिस प्रकार से उसने जीवन बिताया) और अपने प्राश्चित और रोने के साथ चलता रहा। और थोड़ी देर बाद, मैं खड़ा हुआ, और उस भवन से बाहर चला गया।

139 अगले दिन उन्होंने मुझे बुलाया कि वापस आऊ। और आकर मालूम करु, वे उस प्रांत परिश्रण के लिये आये की देखे कि कैसे शरीर में जहर की स्थिति कैसे बढ़ गयी थी और पाया की जरा सा निशान भी नहीं है। यह सब चला गया था जहर सा अंश भी समाप्त हो गया। डॉक्टर लोग इतने उत्तेजित हुये यहां तक की उन्होंने कहा, "ओह! क्यो, यह, हमें चाहिये... यह तो कुछ बहुत ही विचित्र है।" कहा, "हम—हम उसे तैयार करेंगे, " और कहा, "यदि यह अब भी प्रांत तक इस प्रकार से रहे... " कहा, "हम उसे पेन्सलीन देते रहेंगे, " या वे जो भी उसे दे रहे थे, उस संक्रमण को नीचे लाने को। कहा, "हम ऑपरेशन करके उस मूर्ति बालक को निकाल लेंगे इसके पहले की कुछ और हो जाये।" कहा, "यदि वह ठीक है तो... "

140 अच्छा, उन्होंने दिन में उसका दो या तीन बार फिर से परिश्रण किया। और उस रात्रि देर में उन्होंने उसकी जांच की, कुछ भी गड़बड़ नहीं थी,

बिल्कुल ठीक थी। और उन्होंने उसे तैयार किया और ऑक्सीजन के तंबू से बाहर निकाला। हर चीज ठीक थी। वे अगली सुबह उसका ऑपरेशन करने को तैयार थे कि बालक को निकाल ले।

141 मैं वहां से चला गया। और क्योंकि यह हो गया था... अब मुझे कभी भी नहीं मालूम था, मुझे बिल्कुल मालूम नहीं था। प्रभु ने मुझे इस विषय में कुछ भी नहीं बताया, यदि आप चाहे तो आप लोगों से पूछ सकते है। इसलिये वे... वह... उसने कभी नहीं कहा कि यह होगा। परंतु, ओह, प्रभु! ऐसी बात को देख कर! उसका पति पापी होने के नाते आया, और बोला, "भाई ब्रन्हम, मैं—मैं अपना जीवन प्रभु यीशु को देना चाहता हूं।"

142 मैंने कहा, "ठीक है, यह घुटने टेके और अपनी पत्नी का हाथ पकड़े, और फिर अपना जीवन मिलकर सीधा बिताये।"

143 माँ वापस आयी, उसने कहा, "भाई ब्रन्हम आप जानते है, यहां मैं और मेरे बालक है," कहा, "हम सारे अंदर और बाहर रहे, अराधनालाय में अंदर और बाहर आस पास और आदि। हमने बैठ कर आपको प्रचार करते सुना, और हम वेदी पर जायेगे और वापस हुये।" कहा, "मैं भी पिछड़ गयी, भाई ब्रन्हम।" उसने कहा, "मैं प्रभु यीशु के पास वापस आना चाहती हूं कि उसने मेरे बालक के साथ भलाई की है।" भाई, आप देखिये कि यह बहुत अच्छा है, परंतु आप इस कारण प्रभु यीशु के पास ना आये।

144 आधी रात्रि के आस पास, 12 बजे उसकी माँ की आंखे नींद से ओघने लगी। और उसने कहा, उसे बुलाया कहा, "माँ।"

और उसने कहा, "हाँ प्रिय क्या चाहती हो? "

वह बोली "आप जानती है कि मैं बहुत प्रसन्न हूं!"

उसने कहा "तुम्हारी प्रसन्नता में प्रसन्नता से मैं बहुत प्रसन्न हूं।"

कहा, "मैं परमेश्वर के साथ शांति में हूं।" और कहा, "ओह यह कितना अच्छा है!"

कुछ ही मिनटों मैं फिर से उसने आवाज़ लगाई उसने कहा, "माँ।"

बोली, "हां? "

बोली, "मैं घर जा रही हूं।"

145 और उसने कहा, "मैं जानती हूं कि तुम।" उसने कहा, "हाँ प्रिय," कहा, "कल डॉक्टर बच्चे को ले लेंगे। और तब एक या दो दिन में, जब

तुम्हारा चीरा चंगा हो जायेगा और तुम यहां से चली जाओगी, तुम वापस घर जा कर फिर से आनंद में होगी, तुम और तुम्हारा प्रिय और छोटा बालक और मसीही रहना और परमेश्वर के लिये जीना।"

उसने कहा, "माँ मेरा अर्थ में अपने स्वर्गीय घर को जा रही हूं।"

उसने कहा, "निश्चित ही प्रिय यात्रा के अंत में।"

उसने कहा, "यही यात्रा का अंत है।"

"ओह," उसने कहा, "अब क्या बात है?"

146 कहा, "यात्रा का अंत।" इस तरह कहा, "हाँ, माँ, कुछ ही मिनटों में, मैं चली जाऊंगी।"

147 अच्छा, उसने सोचा वह थोड़ी अधीर और प्रसन्नता में उत्तेजित है। उसने नर्स को बुलाया, नर्स ने उसकी साँस दिखी। सब कुछ ठीक था। और पांच मिनट के अंदर वह चली गयी, वह मर गयी थी।

148 और तब जब मैं घर वापस आ गया, उसके सप्ताह या दो के बाद... मैं सोचता हूं भाई ग्राहम ने उसके अंतिम संस्कार पर प्रचार किया। जब मैं वापस घर आया और मेडा ने मुझे बताया कि लड़की उस रात्रि मर गयी। ओह! मैं समझ नहीं पाया...

मैं उसकी माँ से मिलने गया। "हाँ।"

149 और मैं—मैं—मैं नहीं जानता, मेरे यह करने का क्या कारण है, परंतु मैंने कहा, "प्रभु परमेश्वर, आप—आप मुझे इसकी समझ दे," (समझे?) "मेरे वहाँ से चले जाने के बाद और—और पति को बताया, और वह आपके उसके लिये ये करने के बाद आपके पास आया प्रभु और इस प्रकार से, और इस प्रकार से लड़की का जीवन ले लिया।" मैंने कहा, "आप मुझे यह समझा दे।"

150 जब आप परमेश्वर को कुछ इस तरह का बताते है, वह आपको अकेले बैठे हुये छोड़ देता है। मैं नही... उस पर मेरा कुछ नहीं। उसका मुझ पर कर्जा है। अच्छा, उसने मुझे कुछ दिनों के लिये मुह फुलाने दिया, आप जानते है। और उसके लगभग तीन चार महीनों के बाद, एक दिन में संकरी खाड़ी के किनारे पर बाहर था, और प्रभु मुझ से एक दर्शन में बोला, और कहा, "अब उसकी माँ के पास जा, और उसकी माँ से यह कह, 'क्या उसका समय एक वर्ष पहले नहीं आ गया था जब वह एक संकरी खाड़ी में

डूब रही थी, एक पिकनिक पर? उसे उसी समय चले जाना था, परंतु मुझे उसे तब लेना था, जब वह जाने के लिए तैयार थी।' और इसीलिये यह सब घटित हुआ और तू क्यों वहां गया।"

151 तब मैं नीचे बैठ गया और रोया। मैंने कहा, "प्रभु यीशु, मुझे क्षमा कर दे, मैं आपको बेचारा मुर्ख दास हूं। प्रभु, मुझे यह कभी नहीं खाना चाहिये था।"

152 मैं वापस उस महिला के पास गया, वह यहां बाजार वाली सड़क पर रहती थी और मैं उसके पास गया, और मैंने कहा, "मैं आप से एक प्रश्न करना चाहता हूं।"

उसने कहा, "अवश्य भाई बिल।"

और मैंने कहा, "क्या यह सच है कि यह लड़की लगभग डूब चुकी थी? "

153 उसने कहा, "यह ठीक बात है, भाई ब्रन्हम।" कहा, "उसका पति और वे—वे उन्होंने उसे उस खाड़ी में से निकाला।" और कहा, "उनको मुंह से सांस देनी पड़ी थी, और दबाव देना पड़ा था, और उन्होंने मशीन और पंप से पानी निकाला।" कहा, "उसने स्कर्ट पहना हुआ था। और वे पिकनिक पर थे, वह वहां थी, और किसी रेत पर पैर और सिर के बल गिर पड़ी, और पानी में चली गयी। उन्होंने ध्यान नहीं दिया। और उन्होंने सीधे देखा कि वह ऊपर नीचे हो रही है, वे भागे और उसे बाहर निकाला।" और कहा, "वह लगभग मर गयी थी।" कहा, "वह... "

मैंने कहा, "उसका वह समय जाने का था।"

154 देखिये, परमेश्वर जानता है कि वह क्या कर रहा है। अब, प्रभु ने संबंध, मुझे बता दिया होता यदि मैंने वह व्यवहार नहीं किया होता जो मैंने किया, "प्रभु, तुझे ये मुझे इस विषय में बताना चाहिये था।" आपका उस पर कुछ नहीं आता!

155 एक रात्रि मैं एक सभा में खड़ा था, और मैंने समाचार प्राचारक को प्रार्थना करते सुना एक बीमार व्यक्ति के लिये, कहा, "परमेश्वर, में आपको निर्देश देता हूं कि इस व्यक्ति को चंगा कर दे!" किसने परमेश्वर को आज्ञा दी? समझे? ये—ये—ये ये तो नहीं है, यह यहां तक की समझदारी भी नहीं है, क्योंकि वह परमेश्वर है, वह—वह करता है, जो वह चाहता है।

156 क्या एक मिट्टी कुम्हार से कह सकती है, कि "तूने मुझे इस प्रकार से क्यों बनाया? " समझे? निश्चय ही नहीं! परंतु यदि भविष्यवक्ता शांत रहेगा और उत्तर के लिये प्रभु को खोजें, तो वहां पर उत्तर है। समझे?

157 जैसे कि यह व्यक्ति सर्प वंश पर प्रश्न कर रहा था, आप देखिये। जरा—जरा ध्यान दें, और ना हो, ना हो, जल्दी—जल्दी ना करें। और तब अब, परमेश्वर हर चीज को कुल मिला कर भलाई के लिये होने देता है, उनके लिये जो प्रभु से प्रेम करते है।

158 अब यदि—यदि नीनवे ने प्राश्चित ना कर लिया होता, तो फिर परमेश्वर का न्याय उन पर पड़ता, अब स्मरण रखे भविष्यवक्ता को सुनना चाहिये। यह एक चेतावनी थी।

159 अब, यही बात इस राष्ट्र के लिये। तब आप कहते है, "भाई ब्रन्हम आपने बीते रविवार यह कहा 'वहाँ कोई आशा नहीं थी'? " हां! "क्यों? " उन्होंने इस बुलाहट को ठुकरा दिया। इसे स्वीकार करना था। ये इसे स्वीकार करने जा रहा है, एक समय आ रहा है कि यह राष्ट्र टुकड़े होने जा रहा है। मैंने यह 1933 में देखा। देखिये, मैंने देखा।

आपने कहा, हो सकता है, आपने कहा है, "ठीक है, तो फिर यह तब तो नहीं हुआ।"

160 परंतु यह होने जा रहा है! ना तो मसलोनी ताकत में था, ना ही मेगीनोट रेखा बनी थी, ना ही उन दिनों में अंडा आकार की कार थी, और ना ही स्त्रियों ने राष्ट्रपति का चुनाव किया था, जो कॉलेज के लड़के जैसा दिखेगा और वे सारी बातें, ना ही कोई कैथोलिक राष्ट्रपति हुआ था और आदि जो बोला गया। लगभग 30 वर्ष पहले या अधिक, इन बातों की भविष्यवाणी हुयी, परंतु उसने मुझे अंत तक का दिखाया।

161 और जैसे यह चीजें समीप आती है, समय से होते हुये वह प्याला भर रहा है! और बिली ग्राहम ओरल रॉबर्ट के द्वारा प्राश्चित प्रचार किया गया और कौन। भविष्यवक्ता ने राष्ट्र को चिन्हों और चमत्कारों के साथ पार किया और निरंतर पाप में चलते रहे। यही कारण है वे प्रायश्चित नहीं करते, प्रायश्चित इसे लाता है।

162 ध्यान दें, एलिय्याह की फटकार पर आहाब ने कभी प्रायश्चित नहीं किया। यदि आहाब ने प्रायश्चित किया होता और परमेश्वर के सन्मुख सिधाई से चलता, तो वे बातें कभी घटित ना होती। परंतु आहाब आया और नबोत

की बारी को ले लिया और उसे मार डाला और सारी दुष्ट बातें है। और इजाबेल... वह भविष्यवक्ता वहां यहोवा यों के साथ गया! परंतु उन्होंने क्या किया? उसने केवल उसे धमकी दी कि उसे मार दुगी। क्या हुआ? उसकी भविष्यवाणी पूरी हो गयी, कुत्तों ने उसे खाया और आहाब का लहू चाटा, ठीक उसके वचन के अनुसार! उसने प्याले को भरा हुआ देखा।

163 यही कारण है कि छोटे मिकायाह ने वही बात कही कैसे आशीषित कर सकता है, जिसे परमेश्वर ने श्रापित किया? देखिये, उसका—उसका वचन उसकी भविष्यवाणी वचन की एक सामंजस्य में थी।

164 हिरोदस ने कभी प्रायश्चित नहीं किया, जब यूहन्ना ने कहा, कि "यह ठीक नहीं कि तूने अपने भाई की पत्नी को रख लिया!" उसने कभी प्रायश्चित नहीं किया। परंतु उसने क्या किया? उसकी पत्नी ने भविष्यवक्ताओं का सिर मांग लिया। "उस गंदगी को देखें, जिसमें वह चला गया, देखिये उसका क्या हुआ। देखिये, यहां तक कि आज भी स्विट्जरलैंड में उदास पानी ने उसे अस्वीकार कर दिया अब भी उबलता है जैसे की एक याद में, देखिये, निश्चित ही, उसने प्रायश्चित नहीं किया, जब उस पर प्रभु की फटकार पड़ी। यूहन्ना ने उसे बताया, कोई मतलब नहीं, वह क्या था (एक राजपाल था वह जो भी था; या शासक या वह जो भी था), जब परमेश्वर ने कहा उसे प्रायश्चित करना था या उस पर क्रोध!

165 कितनी बार भविष्यद्वक्ताओं में... मैंने यहां पर लिख रखा है, परंतु हमारे पास समय नहीं होगा क्योंकि मैंने लगभग दस मिनट लंबा लिया है।

166 यदि प्राश्चित नहीं है, तो न्याय का आना निश्चित है! हिजकिय्याह ने प्राश्चित किया। समझे? नीनवे ने प्रायश्चित किया।

167 आहाब ने कभी प्राश्चित नहीं किया। नबूकदनजर ने कभी प्राश्चित नहीं किया नूह के समय के लोगों ने कभी प्रायश्चित नहीं किया और न्याय सीधा अंदर आ गया। समझे? अब, परंतु वह पहले हर एक को चेतावनी देता है। सब को एक चेतावनी मिलती है।

168 अब यह देखते हुये कि समय निकट है, अब हर कोई यह अनुभव करे कि एक चेतावनी है, जल्दी ही प्राश्चित करे इसके पहले की परमेश्वर का क्रोध प्रहार करे।

169 अब आईये हम अपने से ब्रन्हम अराधनालय पर लाये। देखिये हम इन बातों को देख चुके है, और उन्हें जानते हैं कि यह सच है। हम जानते हैं कि

यह पूरी रीती से सत्य है। वचन का अधिकार है, "यदि तुम प्राश्चित करोगे और अपने पापों के क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लोगे, तुम पवित्र आत्मा को दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम्हारी संतानो और उन से जो दूर है।" समझे?

170 अब, एक व्यक्ति, श्री डाऊच ने अधिक समय नहीं हुआ, मुझ से पूछा, उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मैं बूढ़ा हो रहा हूं। मैं निर्बल हो रहा हूं 91 वर्ष का।" उसने कहा, "क्या आप—क्या आप सोचते है कि मैं मरने के लिए तैयार हूं, क्या आप सोचते हैं कि मैं जाने के लिए तैयार हूं? क्या आप सोचते हैं कि मैं बच गया हूं? "

171 मैंने कहा, "श्री डाऊच, क्या आप कभी डॉक्टर के पास शारीरिक जांच के लिये गये है? "

उसने कहा, "हां।"

172 "और आप उसे बताते है... अब, डॉक्टर क्या करता है, उसके पास एक पुस्तक रखी हुयी है, और वह इस पुस्तक को ले कर ढूंढता है। 'अब, पहली चीज, मुझे पर इस व्यक्ति से जो करना चाहिए कि उसके हृदय की जांच करूं।' इसलिये उसके पास आला लेता है और उसे कानों में लगाता था और उसके हृदय को जांचता है।" और मैंने कहा, "फिर अगली चीज जो वह लेता है, वह उसका रक्त दाब मालूम करता है, उसके हाथ के दबाव से। तब अगली चीज वह करता है वह मूत्र का नमूना लेता है, और जो भी और उसका थोड़ा लहू और सारी विभिन्न चीजे, और वह इन सब को जाचंता और यदि वह कुछ नहीं पा सकता है... एक्स–रे लेता है, यदि वह कुछ नहीं पाता, वह कहेगा, 'श्री डाऊच आप—आप शारीरिक रीति से ठीक है।'

173 "वह किस बात पर निर्भर कर रहा है? अपनी चिकित्सा की पुस्तक की स्थितियों पर कि यदि मुख्य वैज्ञानिक के अनुसार यदि कुछ गलत है, तो वह यहाँ दिखा देगा ये *वहां* करेगा, ये *यहाँ* करेगा। इसलिये जहां तक वह जान सकते इस विषय में जानता, आप ठीक है, देखिये, शारीरिक।

174 "अब," मैंने कहा, "इस मामले में, मैं—मैं इसे प्राण का परीक्षण दे रहा हूं। समझे? और परमेश्वर, प्राण के लिये केवल एक ही यंत्र है, या ठीक बात है और वह उसका वचन है, यह उसका वचन है। और यीशु ने संत यूहन्ना 5:24 में कहा, 'वह जो मेरे वचन मेरा वचन सुनाता है।'

अब *सुनने* का अर्थ यह नहीं कि आवाज को सुने। वह जो *सुनता* का अर्थ 'इसे ग्रहण करता है।' 'जो मेरा वचन ग्रहण कर सकता है,' आमीन, 'वह जो इसे सुनता है!' (शांत ना खड़ा रहे, इसे निर्थक कहता है, 'वे बातें जिससे कुछ मतलब नहीं मैं इसका विश्वास नहीं करता।') 'वह जो मेरा वचन सुनता है, वह!' ओह। यह यीशु का वचन है, जो कि वह वचन है। आप वहीं पर है। 'यदि तुम मेरा वचन सुन सकते,' उसने कहा, 'और उस पर विश्वास करते, जिसने मुझे भेजा है, वह मृत्यु से पार हो कर जीवन में आ गया; और यहां तक कि न्याय में भी नहीं आयेगा परंतु पहले ही इस से निकल गया है,' आमीन!" मैंने कहा, "अब आप का हृदय ऐसा धड़क रहा है? "

उसने कहा, "मैं इसका विश्वास करता हूं। मैंने यह सुन लिया है। मैंने इसे ग्रहण कर लिया है।"

175 मैंने कहा, "तो फिर मनुष्य विशेषज्ञ के अनुसार, मुख्य शल्य-चिकित्सक, अंत जीवन का मुख्य डॉक्टर कहता है, 'तू मृत्यु से पार हो कर जीवन में आ गया और कभी भी दोषी नहीं होगा।'"

176 कहा, "जब मैंने आपको यीशु मसीह के नाम में पानी के बपतिस्मा पर प्रचार करते सुना, मैं ठीक आपके पीछे गया और आपने मुझे बपतिस्मा दिया।" कहा, "मैं... एक मनुष्य जो मैं कमी था, मैं फिर वह मनुष्य नहीं रहा, मुझे कुछ हो गया। मैं इसके विषय में कभी चिंता नहीं किया करता था, और दूसरे मार्ग पर चला गया था, परंतु मैं वापस घूम गया और इस मार्ग पर चलना आरंभ कर दिया, और फिर और मेरा हृदय उसके समीप आने के लिए दिन रात जलता है। इसका हर वचन, मैं विश्वास करता हूं! मैं 'आमीन' करता हूं! इसके हर बिंदु पर, मैं चिंता नहीं करता कि यह मुझे कैसे काटता है, मैं उसके बराबर होना चाहता हूं। और मैंने जहां तक मैं जानता हूं मैंने किया है।"

177 मैंने कहा, "मुझे प्रतीत होता है, जैसे आपके हृदय की धड़कन काफी अच्छी है। मैं—मैं विश्वास करता हूं, अब आप आत्मिक में योग्य है।"

178 उसने कहा "आश्चर्य है, यदि ऐसा होगा जब उठा लिया जाना होगा, क्या मैं उसमे जा सकता हूं, भाई ब्रन्हम? "

मैंने कहा, "मैं कहने वाला नहीं होता कि कौन इसमें जाता है या कौन नहीं जाता।"

179 उसने कहा, "भाई मैं चाहता कि जीवित रहु, मैं चाहता हूं—मैं उठा लिये जाने को बहुत ही देखना चाहता हूं।"

180 मैंने कहा, "ठीक है, मैं देखू विज्ञान की पुस्तक इसके लिये क्या करती है, और यहां प्राण विज्ञान।" मैंने कहा, "भाई, ये इस दूसरे थिस्स्लुकनियो के पांचवे अध्याय में, ये कहा है, 'हम जो जीवित है, और प्रभु के आगमन तक बचे रहेंगे तो उन से जो सोये हुये हैं, आगे ना बढ़ेगे' (इसका मतलब 'रुकावट') 'क्योंकि परमेश्वर की तुरही फूंकी जायेगी और वे जो सोते या विश्राम कर रहे हैं पहले जब उठेंगे, अमरण हारता को लेते है। तब हम जो उस दिन जीवित है, उस समय वे जो जी उठे हैं देखिये तब हम क्षण भर में बदल जायेगे, पलक झपकते ही और उनके साथ मिलेंगे; और फिर प्रभु से हवा में मिलेंगे उनके साथ, एक साथ उठा लिये जायेगे।' चाहे आप सोते हो चाहे ना सोते हो, जाहे आप करते हैं या नहीं करते हैं; जहां कभी भी आप गाढे गये, यदि आप गाढे ही नहीं गये, जो भी है आप आ रहे हैं! आपको कोई नहीं रोक सकता। आप वहां पर होंगे!" मैंने कहा, "भाई डाऊच, यदि यीशु मेरे पोतो के पोतो के तक नहीं आता है, आप ठीक वहां उस घड़ी में होंगे, बदलने से पहले आप वहां पर होंगे, यदि वे जाते है।" या ठीक बात है। आमीन!

181 वहां आशीषे वैसे ही आ रही है जैसे कि क्रोध आता है। ओह, हमें उस एक रात्रि की प्रतीक्षा करनी है। या तो फिर आपको उसके क्रोध को आपके ऊपर आने की प्रतीक्षा करनी है और नष्ट होने के लिये या फिर आपको प्रभु यीशु के पुनरुत्थान की प्रतिज्ञा करनी है। वही परमेश्वर जिसने प्रतिज्ञा दी है, एक प्रतिज्ञा... मैं बहुत ही आनंदित हूं!

मैं और आनंदित सहस्त्रशताब्दी दिन का की जो आ
रहा है प्रतीक्षा कर रहा हूं,
जब हमारा धन्य प्रभु आयेगा और अपनी प्रतीक्षा करती
हुयी को ले जाएगा;
ओह! मेरा हृदय चाह और करह रहा है, और उस सुंदर
छुटकारे के दिन के लिये तड़प रहा है,
जब हमारा यीशु पृथ्वी पर फिर से वापस आयेगा।

तब पाप और दुख, दर्द और मृत्यु अंधेरे संसार के रूके
जायेगे,

उस शानदार राज्य में यीशु के साथ शांति के हजार वर्ष; (ओह प्रभु! "और सदा प्रभु के साथ रहेंगे।" समझे?)

182 परमेश्वर ने क्या कहा, इसे तो घटित होना ही है। "वे घर बनायेगे और उन में रहेंगे, वे दाग की बारी लगायेगे और वे उसके फल खायेगे, वे नहीं लगायेगे कि दूसरा कब्जा कर ले, वे अपनी दाख की बारी लगायेगे। और उसके साथ बने रहेंगे।" आमीन! आमीन! "मेरे पवित्र पर्वत पर उनको उनको ना कोई हानि पहुंचयेगा या नष्ट करेगा।" हाल्लेलुय्या!

183 जब यह मरणहार अमरणहार को लेती है, यह मृत्यु जय के द्वारा निगली जायेगी, तब हम उसको वैसे ही देखेंगे जैसा वह है और उसकी जैसी महिमामय देह होगी। ओह, क्या ही समय आता है!

184 वही परमेश्वर और वही भविष्यवक्ता जिसकी परमेश्वर के वचन ने भविष्यवाणी की है या क्रोध उंडेला जाना उंडेलाना, उसके आने वाली आशीषों को भी बताता है। मैं बहुत ही आनंदित हूं! परमेश्वर कभी किसी राष्ट्र को चेतावनी के बिना नष्ट नहीं करता। वह मनुष्य को बिना चेतावनी दिये कभी नष्ट नहीं करता। और अब यदि वह यह करता है, तो हमारे पास कुछ है, जो हमें हुआ है, अंत के दिनों के चिन्हों का वैज्ञानिक प्रमाण हमारे साथ, वह महान पवित्र आत्मा हमारे मध्य में चल रहा है, और अपनी उपस्थिति से से कलीसिया को आरोपी बना रहा है, अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है। तब कलीसिया, इन्हें किन्ही दिनों में आकाश पर चढ़ने के लिये तैयार हो रही है परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा। क्योंकि यह एक चेतावनी है कि हर एक बोझ और पाप को एक और रख दे, जो हमें सरलता से घेर लेते है, ताकि हम धैर्य के साथ इस दौड़ में उड़ सके जो हमारे सामने है हमारे विश्वास के रचियता और पूरक को।

185 परमेश्वर आपको आशीष दे, कलीसिया! परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले। जी हां, श्रीमान। यदि आप उसकी उपस्थिति अनुभव करते है, तो उसके पास जाये, यदि आपके हृदय में कुछ गलत है उसे ठीक कर ले, हमारे पास अधिक समय नहीं है प्रभु का आगमन समीप है। क्या उसका विश्वास करते है? ओह! क्या यह शानदार ना होगा वहां पर? क्या ही समय, जब मैं उन पुराने अनुभवी को पीछे स्वर्ग लोक में चल कर आते हुये देखता हूं! ओह! प्रभु! मैं उस घड़ी की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

186 मुझे याद है, मेरा भाई कहता है, जब समुद्र पार से वापस आ रहा हूं उस पुराने रण क्षेत्र से और चीजें कहा, "वे पुरानी अनुभवी, जब वे स्वतंत्रा के मूरत के सामने आते हैं और उन उन अपाहिजों को लुढकाते हुये वहां ले जाते हैं कि वह स्वतंत्रा की मूरत को देखें।" जब आप नाम से आते हैं, तो आप पहले उसे देखते है, क्योंकि वह इतनी ऊँची है। "और उस हाथ को खड़ा हुआ देखते है," कहा, "वे बस फफक पड़े और रोये और वहां बड़े लोग खड़े थे डेक पर गिर पड़े रोने लगे।" यह क्या था? स्वतंत्र का एक चिन्ह। हर चीज जिससे उन्होंने कभी प्रेम किया वह उस चिन्ह के ठीक पीछे थी।

187 ओह, परंतु यह क्या होगा जब मैं सय्योन के पुराने जहाज को उस प्रात: आवाज करते सुनूंगा और मैं झंडे को लहराते हुए देखता हूं! जब युद्ध समाप्त हो गया और जीत पा ली है, हालेलुय्याह! और हम घर आ रहे है, जहां मृत्यु, पाप और नरक जीत लिए गए; और फिर और आप पाप नहीं है, और मृत्यु नहीं, और दुख नहीं मैं सिटी को बजते हुए सुनता हूं! ओह हम नगर के समीप है। जी हां, श्रीमान। बड़ी बड़ी लहरे आ रही है पुराना जहाज अपने स्थान पर जा रहा है। परमेश्वर हमें उस घड़ी में जीने की सहायता करें!

188 प्रभु यीशु हम एक लोग जो अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, जितना हमारे में है कि सुसमाचार के उजाले में चले आपका महान सुसमाचार इसे ठीक करने के लिये मरे। हम इसे देखने के लिये आनंदित है कि इस दृष्ट अधंकार के दिन जिनमें मैं अब हम जी रहे हैं, इस घड़ी में कि हम देखते है, चिन्ह प्रगट हो रहे है। ओह, परमेश्वर जैसे कि यह दीवार पर हस्तलेख है, हम तुझे धन्यवाद देते है प्रभु कि हम इसे देख सकते है और जानते हैं कि छुटकारा समीप है हम प्रचार करते है, हम राष्ट्र को पार करते है, हम देखते है आप महान चिन्हों में कार्य करते है अपने को रोज हर वर्ष दिखाते है। एक वर्ष नहीं बितता परंतु जो (महान) उसके अलौकिक चिन्ह पृथ्वी पर प्रहार करते है। और हम ये देखते है, जानते हुये कि परमेश्वर की महान सेना आगे बढ़ती है।

189 ओह, गिनती में बहुत नहीं, परंतु क्या ही सामर्थी झुण्ड है, जिसके पास अनंत जीवन है! कहा, "वे दल में हो कर दौडेगे और दीवारे कूद जायेगे।" जी हां, मृत्यु की "सेना" का इस पर कब्जा ना होगा वह इसमें हो कर

निकल जायेगे। "दीवार" को कूद जायेगे, उस स्वाभाविक और आलौकिक के बीच और परमेश्वर की बाहो में जाते हैं, उस महान अनंता में। प्रभु परमेश्वर इसके लिये हम तेरा धन्यवाद करते हैं। हम जानते हैं कि समय निकट आ रहा है।

190 परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, आज रात्रि यादी यहाँ कोई है जो आपको ना जानता हो, जिसे कभी शांती ना मिली... और होने पाये आज रात्रि जब की हम बोल रहे है, एक छोटी आवाज उनके हृदय में बोल रही है, "मुझे एक चेतावनी का अनुभव होता है, जो कि अधिक समय तक आसपास नहीं हो सकती है।" ओह परमेश्वर होने पाये वे अपने पूरे परिवार इसी समय व्यवस्थित करते कर ले। हर चीज सुचारु रुप से हो जाये। होने पाये, ठंड कंपन... ये मसीही हो, परंतु वे नहीं है... वे इनके प्रभाव में इतने रहे है, और इतने सारी चीजें देखी है, उन्होंने बस इसका मूल्य ही खो दिया। ये... वे बातें जिन्हें वे हल्के में लेते है बजाये गहराई और निष्कपटता के साथ लेने के।

191 ओह परमेश्वर, आज रात हम जांचे, इसे प्रदान करे, यह जानते हुये कि ये महान बातें हमारे लिये चेतावनी है उस कलीसिया के जलद उठाये जाने की। और यदि हम पापों के साथ पड़े है अविश्वास के साथ और सुस्तपने के साथ हम उठाये जाने की स्थिति में नही आ पायेंगे। प्रभु, हम यह जानते है, इसलिये हम प्रार्थना करते है कि आप हम पर हमें पवित्र आत्मा, हमारे हृदयो में जला देंगे। ओह परमेश्वर, अपनी आशीषों से हमारे प्राणों को आग कर दे। समझने में हमारी सहायता करे।

192 अब, लोगों को एक साथ आशीषित करे, हमारे मूल्यवान पास्टर को आशीषित करें और उसकी पत्नी को, डीकनो, ट्रस्टियों, और सारे जन साधरण को एक साथ, हमारे पापों को क्षमा करे हमारे रोगों को चंगा करे, प्रभु। और हमारे हृदयो को ज्वलेत कर दे। और होने पाये हम इस स्थान से चेतावनी के संदेश के साथ निकले, जैसे की हम लोगों से जो पाप में है मिलते है और उन्हें बताये, "मित्र क्या तुम्हें ऐसी चीज़ करने से लज्ञा नहीं आती है, जानते हुये कि किसी दिन तुम्हें परमेश्वर से मिलना है? " प्रभु, ऐसे प्रदान करें। मैं इन्हें आपके हवाले करता हूं; अब संदेश को कुल मिला कर आपका कार्य करने के लिये आप के महिमा के लिये समर्पित करता हूं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

मैं उससे प्रभु से प्रेम करता हूं, मैं उस से प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने मुझ से पहले प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर।

193 क्या आप उस से प्रेम नहीं करते? सोचिये हम क्या है। और हम मार्ग पर कितनी दूर है, मित्रों। वहाँ मार्ग पर पलट कर देखो, लूथर और वेसली के दिनों में उन युगों में होते हुये, यहां देखें कि हम कहां है: ठीक है यहाँ पिरामिड के ऊपर; ठीक यहां जहां परमेश्वर ने ये सिद्ध किया की बाइबल साथ मोहरों में होते हुये पूरी रीती से प्रकट कर दी गयी है; अंत में उन सात भेदों के लिये प्रतीक्षा कर रही है, प्रभु के आगमन पर और कलीसिया का उठा लिया जाना जो इस प्रांत से पहले हो सकता है। ओह, प्रभु!

मैं उस से प्रेम करता हूं, (अब निष्कपटता से) मैं उस
से प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने मुझ से पहले प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
उस कलवरी के वृक्ष पर।

194 जैसे की हम शांति में... क्या आप हम में से प्रत्येक जो यहाँ है, अनुभव करता है कि हमे यहां से जाना है? इस संसार को छोड़ना है? क्या आप जानते है कि एक मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न हुआ है, थोड़े दिनों और दुख से भरा हुआ है? क्या आपको मालूम है क्योंकि हम उस अदन वाटिका के वृक्ष से जन्मे है, जो मृत्यु का है कि हमें मरना ही है? हम अपनी मां के गर्भ के फल है और हमें मरना है, और हमें इस जीवन से अलग होना है। युवा या बूढा, इस से अंतर नहीं पड़ता है। यदि सब से बड़ा पुरुष या स्त्री इस रात्रि जीवित रहती है, वह अधिक जीयेगी या वह अधिक दस, पंद्रह वर्ष के बालको तक जीये? इस संसार में सुबह होते सैकड़ों बालक मर जायेंगे। इसलिये सारी बात यह है अब आप क्या कर रहे है?

195 यह आपका अंतिम सुअवसर हो सकता है। युवा या बूढे आप आराधनालाय आ सकते है। किसी भी चीज को अधुरा ना छोड़े। पूरी गहराई से निष्कपट रहे। हर पाप हर चीज को एक और रख दे। सीधे परमेश्वर के मुख की और देखे और प्रश्न पूछे, "प्रभु क्या मैंने आपको प्रसन्न किया है? मैं और क्या कर सकता हूं, प्रभु यीशु? इस जीवन के पूरा हो जाने के

बाद मेरे पास कोई और सुअवसर ना होगा कि आपकी सेवा करू। मेरे पास केवल यही समय है। प्रभु परमेश्वर, बस मुझे यह बताये कि आप मुझ से क्या करवाना चाहते है, यदि मैं जा कर *यह* करता हूं या मुझे *वह* करना चाहिये तो मैं इसे आनंद से करूंगा।"

196 क्या हम यह निष्कपटता से सोचते है? क्या यह छोटा व्यक्ति सोचता है? क्या यह अघेड़ व्यक्ति सोचता है? क्या यह बूदे लोग सोचते है, क्या यह नव यूवक सोचते है? हमें जाना ही है, और आप कैसे जानते है कि हम सब सुबह से पहले नही जायेंगे? हम यह नहीं जानते। आप कहते है, "मुझे इसकी चिंता है।" खुले रूप में यह नहीं होना चाहिये! इससे आपको बहुत ही आनंदित हो, जान कर कि आप इस घूत की बीमारी के घर को छोड़ रहे है।

197 वहां एक और संसार है। आपको छोड़कर बहुत दूर नहीं जाना है। यह ठीक आपके साथ है। यह ठीक आपके आस–पास है। आप बस... आप... परमेश्वर ने केवल आपको पांच चेतनाये दी है, यही इस से संपर्क करने को प्रयाप्त है, इस संसार से। परंतु एक और संसार है, जिस से संपर्क करने के लिये आपके पास कोई इन्द्रिय नहीं है, आप संपर्क नहीं कर सकते क्योंकि उसके पास यह नहीं है।

198 उदाहरण के लिये, मैंने रविवार रात्रि कहा (संभव है आप समझ नहीं पाये) क्या... हमारे पांच चेतनाये है: देखना, चखना, छुना, सूंघना और सुनना। परंतु क्या हो यदि आपके पास दृष्टि ना हो आपके पास केवल (चखना, छुना, सुघना और सुनना था) और कोई अपनी दृष्टि पाता है और बोला, "एक और संसार है सूर्य"? वे—वे भावनाये, आप चीजों में ठोकर खाते हैं और यह आपको बता सकता है यह क्या है। क्यो, आप सोचते है कि वह व्यक्ति पागल है, क्योंकि आपके पास वह चेतना नहीं है—देखने की, किसी के पास कभी नहीं था जिसे आप जानते हो, आप ये जानते है, आप लोगों को इस विषय में बात करते हुये सुनते है। परंतु हम इस चेतना से जानते है कि यह वास्तविक है। यह एक वास्तविक स्थान है समझे? ये—ये स्थान है, जहां आप... देख सकते है। आपकी चेतना इसकी घोषणा करती है।

199 अब, आप केवल एक चीज करते हैं, जब आप मरते है आप बस उन पांच चेतनाओं को बदलते है (महिमा! ओह!) आप बस दूसरी चेतनाये पाते

है। और आप बस अच्छी ऊँची चेतनाओं के साथ जीवित है, इस से हजारों गुना अच्छी दूसरा जीवन है; एक जीवन जहां मृत्यु नहीं होती, जहां कोई दुख नहीं है। और वे चीजे है जिसके विषय में आप इस समय कुछ नहीं जानते, जब आप यहां से पार होते है आप स्पष्ट देखते है। आप ये इस समय नहीं समझते, क्योंकि आप इसमें ठोकर खाते है, आपके पास वह चेतना नहीं है। आप कहते है, "मैं—मुझे आज रात्रि विचित्र अनुभूति हो रही है, मुझे ऐसा दिखता है कि वहाँ एक... मैं बस रोना चाहता हूं या चिल्लाना या कुछ।" यह प्रभु के दूत है। समझे?

200 जैसे कोई कहता है, आप जानते है, जिसके पास देखने की इंद्रिया कमी नहीं रहीं, कहता है, "कभी मैंने कुछ वास्तविक अनुभव किया, एक ऐसी गर्मी सी अनुमूति।"

आप कहते है, "यह सूरज की रोशनी है।"

201 "सूर्य का उजियाला क्या है? मैंने ये कभी नहीं देखा।" "ऐसा कुछ नहीं... " देखिये, उसने यह कभी नहीं देखा नहीं जानता, कि यह क्या है। देखिये, कोई वहां पर हो जो मुझे बताये, किसी को जो नहीं देख सकता। ओह, प्रभु! समझे?

202 हम बस बदल जाते है। हम बस बदल जाते है, मृत्यु से ना डरे। मृत्यु कुछ नहीं केवल एक बिजूखा है। यीशु ने इसे जीत लिया है। यहाँ तक की जब पौलुस अंत पर आया, उसने कहा, "मृत्यु तेरा डंक कहाँ रहा? तेरा भय कहाँ है? कब्र, तेरी जय कहाँ है? तू कहती है मैंने तुझे ले लिया? मैं—मैं उधर पीछे यरूशलेम की ओर संकेत करना चाहता हूं। वहां एक खाली कब्र है, और 'मैं वह हूं जिसने दोनों को जीत लिया, मृत्यु और अधलोक' और मैं उसमें हूं और तू मुझे नहीं रोक सकता! मैं फिर जी उठूगा।" ओह, प्रभु! उसने कहा, "वहाँ मेरे लिये एक मुकुट रखा है, जिसे प्रभु धर्मी न्यायी, मुझे देगा; और केवल मुझे ही नहीं, परंतु उन सब को जो उसके प्रकट होने को *प्रिय* जानते है।"

203 आप उस से प्रेम करते है। आप उसे आते हुये देखना चाहते है। आप उसकी प्रतीक्षा कर रहे है, यह एक लंबी कहानी है यह—यह एक लंबी प्रतीक्षा है, यह एक प्रेम का मामला है। परंतु आप तब तक प्रतीक्षा कर सकते है जब तक आप उसे देख ना ले! ओह, प्रभु! यह इसी प्रकार से है। ओह, हम इसी समय की प्रतीक्षा कर रहे है, यही घड़ी! यदि आपका हृदय

ऐसा नही है—जैसा कि यह आज रात्रि में है मित्र, तो सावधान हो जाये। समझे? सावधान हो जाये।, शत्रु आपको बहकाने ना पाये। जब कि पवित्र आत्मा यहां पर है और अपने रचयिता के पास उड़ान उड़ान भरना चाहता है अपने स्वामी के पास, तो वहां एक प्रेम संबंध है जिसके विषय में कोई नहीं जानता। यह ठीक बात है, यह वास्तविक है। यह वास्तविक है।

204 यदि वह चेतावनी कह रही है, "तुम इसके लिये तैयार नहीं हो," तो फिर याद रखे, परमेश्वर हो सकता है आपको किसी चीज के लिये तैयार कर रहा हो। समझे? आप तैयार नहीं है...

205 आप कहते है, "भाई, यदि मुझे पवित्र आत्मा बपतिस्मा मिल गया है, तो, भाई, हो सकता है, प्रभु मुझे ले लेगा?" नहीं, केवल इतना नहीं, आप जीने के लिये तैयार हो रहे है। आप—आप जब तक आपको पवित्र आत्मा मिलता है आप तब तक जीने के लिये तैयार नहीं है। और तब जब आप पवित्र आत्मा पाते है तब आप जीने के लिये ठीक है, इसके पहले आप जीने के लिये ठीक नहीं थे, देखिये, परंतु अब आप जीने के लिये अनुरूप है पवित्र आत्मा पाने के बाद। समझे? आपको बस तैयार कर रहा है। समझे?

206 लोग कहते है, "भाई, मुझे तैयार होना कि मरू।" ओह, प्रभु, मैं जीने के लिये तैयार हो रहा हूं! आमीन। और बात यह है, जीने के लिये तैयार हो, मसीह में जीये! पाप के ऊपर जीवंत जीवन, मृत्यु, नरक इस पर मैं पहले ही जयवंत हो चुका हूं। वह मेरी जय है, और मैं उसका प्रमाण हूं उसकी जय का आमीन! यही है।

207 "आपको कैसे मालूम कि आपको मिल गया है?" मिल गया। आमीन। उसने मुझे अपने अनुग्रह से दिया। मैं इसे अनुभव करता हूं। मैं यह जानता हूं। मैं इसे अपने जीवन में कार्य करते हुये देखता हूं। इसने मुझे बदल दिया, और यहाँ इस पुस्तक के अनुसार, उसने कहा मेरे कि मेरे पास अनंत जीवन था, और वह न्याय में आने के योग्य नहीं है और मैं मृत्यु से पार हो कर जीवन में प्रवेश कर गया हूं, क्योंकि उसने मेरा न्याय अपने पर ले लिया। यदि उसने भुगतान कर दिया है तो मुझे न्याय में लाने का यत्न ना करे। उसने यह मेरे लिये ले कर, खरीद दिया और मैंने उसे स्वीकार कर लिया है। जी हां, श्रीमान।

208 इसलिये अब और न्याय नहीं है। अब और नहीं—अब और मृत्यु नहीं। ओह मुझे कलीसिया छोड़नी है और किसी दिन लोगों को छोड़ना है परंतु ये... यदि यीशु देरी करता है। और ये घटित होता है, क्यों मेरा, मैं मरा नहीं हूं। मैं मर नहीं सकता, मेरे पास अंनत जीवन है। आप अंनत जीवन के साथ कैसे मर सकते है? समझे? सदा परमेश्वर की उपस्थिति में, और सदा उसके संग रहेंगे! आमीन! ये मेरे ह्रदय को रोमांचित कर देता है, मुझे ऐसा बना देता है कि मैं फिर से प्रचार आरंभ करना चाहता हूं। समझे? यह ठीक बात है। ओह, अद्भुत है!

क्या यह अद्भुत नहीं, अद्भुत नहीं, अद्भुत?
क्या यीशु मेरा प्रभु अद्भुत नहीं?
आंखों ने देखा, कानों ने सुना जो परमेश्वर के वचन में
लिखा है;
क्या यीशु मेरा प्रभु अद्भुत नहीं?

मुझे वह गवाही अच्छी लगती है

आंखों ने देख *लिया*, कानों ने सुन *लिया*, जो परमेश्वर
के वचन में लिखा है;
क्या यीशु मेरा प्रभु अद्भुत नहीं?

209 ओह, मैं उस से प्रेम करता हूं! वह मेरी शांती, मेरा जीवन मेरी—मेरी आशा मेरा राजा मेरा परमेश्वर, मेरा बचाने वाला... (ओह प्रभु) मेरा पिता, मेरी माँ, मेरी बहन, मेरा भाई, मेरा मित्र, मेरा सब कुछ! आप समझे? हम इस तरह का एक गीत गाया करते थे। आप जानते है, क्या आपके पास कभी वे छोटे पेंटेकोस्टल के गाने थे जैसे... मैं आशा करता हूं कि उन्होंने वे रिकॉर्डर बंद कर दिये है देखिये वह गाना जो हम गाया करते थे:

वह मेरा पिता, मेरी माँ, मेरी बहन और मेरा भाई,
वह मेरे लिये सब कुछ।

वह सब कुछ, वह मेरे लिये सब कुछ;
वह सब कुछ, वह मेरे लिये सब कुछ;
क्योंकि वह मेरा पिता, मेरी माँ, मेरी बहन और मेरा
भाई
वह मेरे लिये सब कुछ।

210 आपको याद है जब इसे गाया करते थे? आप में से किसी को याद है? ओह, वर्षों पहले! और तब हम यह कहते थे:

मैं जानता हूं यह लहू है, मैं जानता हूं यह लहू था
मैं जानता हूं यह मेरे लिये लहू था;
एक दिन जब मैं खोया हुआ था, वह क्रूस पर मरा,
और मैं जानता हूं यह मेरे लिये लहू था।

211 आपको वह छोटा गाना याद है? आईये देखे, वह दूसरा वाला कौन सा गाया? आईये देखे।

ओह, क्या तुम मेरे साथ एक घड़ी नहीं जागोगे,
जब की मैं उधर जाता हूं जबकि मैं उधर जाता हूं?
ओह क्या तुम मेरे साथ एक घड़ी नहीं जागोगे,
जब की मैं उधर जा कर प्रार्थना करता हूं?

मैं जय पा रहा हूं, मैं जय पा रहा हूं,
मैं जय पा रहा हूं, मैं जय पा रहा हूं;
क्योंकि मैं यीशु से प्रेम करता हूं, वह मेरा बचाने वाला है,
और वह मुस्कुराता और मुझ से प्रेम भी करता है।

212 बूढ़े भाई स्मिथ हुआ करते थे, एक अश्वेत भाई, यहां नीचे कोने पर। ओह! मैं उन अश्वेतो को सुना करता था वहां पर मैं वहां बैठा रोया चिल्लाया और सारी बातें, अपनी कार को हिलाता, आस–पास कूदता इस प्रकार से। वे सारे अपने हाथों से ताली बजाते है। [भाई ब्रन्हम अपने हाथों से ताली बजाते है।—सम्पा।]

ओह, क्या तुम मेरे साथ एक घड़ी...

यह छोटी ताल जो अश्वेत बजाते थे, आप जानते है, उनके सम्मान कोई नहीं गा सकता; हो सकता है आप भूल जाये। समझे?

... एक घड़ी
जब की मैं उधर जाता हूं...

213 ओह! मैं वहां बैठा हुआ, मैंने कहा, "ओह परमेश्वर!" यह छोटा बेचारा लड़का लगभग बीस वर्ष का, मैं कार के चारों ओर चक्कर लगाऊंगा और परमेश्वर की इस प्रकार से स्तुति करूंगा। ओह, क्या ही समय है! वह

आरंभ में था, जब परमेश्वर लोगों के बीच में चल रहा था इस प्रकार से। अब हम एक मजबूत कलीसिया में आ रहे है। सदस्यों में अधिक नहीं; परंतु आत्मा में सामर्थी। आमीन। कितना शानदार!

214 तब वहां एक छोटा गीत हुआ करता था... मुझे वह चिट्टा गांव, टेनिसी के दिन याद है, जब इस से मिला... चिट्टा गांव नहीं, यह मेफसी में था, जहां मैं इस छोटी अश्वेत स्त्री से मिला था, आप जानते है, वहां खड़े हुआ था। आपने मुझे इस विषय में बताते हुये सुना था आप जानते है, उसके लड़के को योन रोग था उसने इस व्यक्ति की कमीज अपने सिर पर बांध रखी थी, बैच पर झुकी थी *इस* प्रकार से। और प्रभु ने वहाँ हवाई जहाज रोक दिया था, और जाने नहीं दिया, जो भी हो और उन्होंने मुझे बताया कि आओ... और पवित्र आत्मा ने कहा, "एक छोटी सी यात्रा *इधर* की ओर पैदल करो।"

215 और मैं गाता हुआ पैदल चला गया, मैंने सोचा, "मेरा जहाज उड़ने के लिए लगभग तैयार था!"

216 लगातार कहता गया, "आगे बढ़ो, आगे बढ़ो जाओ, बढ़ते जाओ।" मेरी सेवकाई के शुरू के भाग में।

217 और मैंने देखा, वहां एक झुका हुआ बाड़ा और एक छोटी सी झोपड़ी, वहां एक छोटी सी जगह थी। वहां एक बड़ी बहन खड़ी थी। ओह, वह थी... इन बहनों के समान दिखाई पड़ी, जो ओट जेमीमा पर है, बड़े मोटे गाल आप जानते हैं और उसके बाल, उसकी कमीज पीछे से उठी हुयी। वह उस दरवाजे पर इस तरह झुकी हुयी थी और मैं बस... मैं गा रहा था वह छोटा गाना... छोटा... वह क्या था... मैं गाने का नाम भूल गया उस छोटे गाने का मैंने गाया। अब यह कुछ बारे—बारे में था, यह छोटा पेंटीकोस्टल गाना था, एक छोटा सा आनंद।

218 और मैंने गाना बंद कर दिया, मैं पास को था। और मैं निकलता चला गया। और वह वहां खड़ी थी, और उन मोटे गालों पर से आंसू बह रहे थे; मैं उसे गले लगाना चाहता था। उसने कहा, "पास्टर, शुभ प्रात:।"

मैंने कहा, "मौसी, आपने क्या कहा? "

उसने कहा, "मैंने कहा, 'शुभ प्रात पास्टर कहा।' "

219 मैंने कहा, "आपको कैसे मालूम कि मैं पास्टर हूं?" अब दक्षिण में लोगों का, इसका अर्थ "सेवक," होता है, आप जानते हैं। बोला, "आपको कैसे मालूम कि मैं एक पास्टर था?"

उसने कहा, "मैं जानती थी कि आप आ रहे थे।"

220 मैंने कहा, "आप जानती थी कि मैं आ रहा था?" मैंने सोचा, "ओह, यह है, देखिये।"

221 उसने कहा, "जी हां श्रीमान।" बोली, "क्या आपने बाइबल में कभी वह कहानी पढ़ी है, पास्टर उस शुनेमी स्त्री के विषय में?"

मैंने कहा, "जी हां, आंटी, मैंने पढ़ी है।"

222 उसने कहा, "मैं उसी तरह की स्त्री हूं।" उसने कहा, "और मैंने प्रभु से कहा मुझे एक बालक दे दे, मैं और मेरा पति, और मैं उसके लिये उसे पालुगी," बोली, "और उसने मुझे एक बालक दिया।" और कहा, "मैंने उसे अच्छी तरह से पाला।" कहा, "वह गलत लोगों की संगति में चला गया, पास्टर। परंतु उसे एक बुरी बीमारी हो गयी," और बोली, "वह यहां पड़ा हुआ मर रहा है। वह पिछले दो दिनों से मर रहा है, अब पिछले दो दिन से वह होश में नहीं है, डॉक्टर ने यहां आ कर कह दिया, 'वह नही जी सकता,' कहा, 'वह मर रहा है,' वह एक सामाजिक बीमारी थी।" और कहा—कहा, कि "मैं अपने बच्चों को मरते हुये नहीं देख सकती, और मैंने सारी रात प्रार्थना की है" और कहा, "मैंने कहा, 'प्रभु,' कहा, 'मैं शुनेमी जैसी एक स्त्री थी,' परंतु कहा, 'तेरा एलीशा कहाँ है?'"

223 और कहा, "मैं सो गई और मैंने स्वप्न देखा, कि मैं यहाँ एक दरवाजे पर खड़ी हूं, और मैंने आपको एक छोटी टोपी के साथ आते देखा जो सिर पर एक और झुकी थी।" परंतु कहा, "केवल एक बात है," कहा, "वह कहां है..." कहा, "आपके हाथ में एक अटेची होनी चाहिये।"

मैंने कहा "मैं उसे बस पीबोडी होटल में छोड़ आया हूं"

224 बोली, "मैं जानती थी, कि तुम्हारे पास एक अटेची होनी चाहिये थी।" और उसने कहा, "मेरा बालक मर रहा है।"

मैंने कहा, "मेरा नाम ब्रन्हम है।"

उसने कहा, "पास्टर ब्रन्हम, मुझे आप से मिल कर खुशी हुयी।"

225 मैंने कहा, "मैं बीमारो के लिये प्रार्थना करता हूं। क्या आपने कभी मेरी सेवकाई के विषय में सुना है? "

226 बोली, "नहीं, मैं नहीं समझती कि मैंने कभी सुना है।" कहा, "क्या आप अंदर आयेगे? " और मैं अंदर चला गया।

227 और वह लंबा चौड़ा व्यक्ति वह इस प्रकार पड़ा हुआ था, मैं उसे दिव्य चंगाई के विषय में बताने का यत्न कर रहा था, परंतु उसकी उसमें कोई रुची नहीं थी। वह तो यह सुनना चाहती थी कि लड़का कहता है, "वह बच गया और वह जाने के लिए तैयार है।" और वह कहती... और परमेश्वर ने उसे बचा लिया।

228 और लगभग मैंने उसे एक वर्ष बाद पुलिस की टोपी में देखा। वहां स्टेशन पर प्रभु चीजों को कैसे करता है!

229 और तब जब मैं वापस आया उसके बाद, मुझे होना था... उस जहाज को सात बजे जाना था और यह लगभग साढे नौ बजे थे। और मैंने टैक्सी ली और वापस चला गया। और जैसे ही मैं अंदर पहुंचा कहा, "उड़ान संख्या *अमूक–अमूक* की अंतिम पुकार।" प्रभु ने उस जहाज को जमीन पर ही रोके रखा, जब की मैं उस लड़के के लिये प्रार्थना को गया हुआ था। समझे? यही है।

230 मैं उस छोटे गाने को याद करने की कोशिश कर रहा हूं, "*उन में से एक।*" यही है। ओह, हम कैसे गोला बनाया करते थे और हाथों से तालियां बजाते। हम कहते थे:

उन में से एक, उन में से एक
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कर सकता हूं, मैं उन में से एक हूं; (हालेल्लुया!)
उन में से एक, मैं उन में से एक हूं,
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कर सकता हूं, मैं उनमें से एक हूं।

वे ऊपर की कोठरी में जमा हुये,
सारे उसके नाम में प्रार्थना कर रहे थे।
उन्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा मिला हुआ था

और सेवा के लिये सामर्थ आयी;
और उसने उस दिन उसके लिये क्या किया
वह तुम्हारे लिये भी वही करेगा,
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें
से एक हूं।

उनमें से एक, उन में से एक,
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उन में
से एक हूं;
उनमें से एक, उन में से एक
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कर सकता हूं की उन में से
एक हूं। (क्या आप?)

231 इस पद को सुनिये।

यद्यपि ये लोग इसे नहीं सीख पायेंगे,
या संसारिक लोक प्रियता की शेखी,
उन्होंने सब ने अपना पेंटीकोस्टल पा लिया,
यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया;
और अब वे बता रहे है, दोनों दूर और चारों ओर
उसकी सामर्थ वैसे ही है
और मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कर सकता हूं, मैं उन
में से एक हूं।

ओह, उन में से एक, मैं उन में से एक हूं।
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उन में
से एक हूं;
उन में से एक, मैं उन में से एक हूं,
मैं बहुत आनंदित हूं, मैं कह सकता हूं कि मैं उन में से
एक हूं।

ओह, मेरे भाई आओ, उसकी आशीषे ढूंढो
ये आपके हृदय को पाप से शुद्ध कर देगा,
ये आनंद कि घटिया बजाना आरंभ कर देगा

और आपके प्राण को ज्वलंत रखेगा;
ओह, अब यह मेरे हृदय में जल रहा है,
ओह, उसके नाम को महिमा मिले,
मैं बहुत ही आनंदित हूं मैं कह सकता हूं कि मैं उन में से एक हूं। (क्या आप इसके लिये आनंदित है?)

उन में से एक, उन में से एक
मैं बहुत आनंदित हूं मैं कह सकता हूं, कि मैं उन में से एक हूं;
उन में से एक, उन में से एक,
मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं, मैं उनमें से एक हूं।

232 ओह, क्या आप आनंदित नहीं? चलिये एक दूसरे से हाथों को मिलाये, जब हम इसे गाते है।, आप क्या कहते है? आईये इसे करते है।

उन में से एक, उन में से एक,
मैं बहुत आनंदित हूं, मैं कह सकता हूं मैं उन में से एक हूं;

भाई मैं भी बहुत आनंदित हूं

ओह, उन में से एक, उन में से एक,
मैं बहुत आनंदित हूं, मैं यह कह सकता हूं कि मैं उन में से एक हूं।

ओह, मेरे भाई आओ, इस आशीष को ढूंढो
यह होगा... प्राण ज्वलीत
यह आनंद की घंटियाँ बजाना आरंभ कर देगा,
और आपके प्राण को ज्वलंत रखेगा;
ओह, यह अब मेरे हृदय हृदय में जल रहा है,
ओह, उसको महिमा...

आईये अपने हाथों को उठाते है।

आनंदित हूं कि कह सकता हूं, मैं उन में से एक हूं।

233 सब एक साथ मिल कर।

उन में से एक, उन में से एक,
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं, मैं उन में से एक हूं;
मैं उन में से एक हूं, उन में से एक,
मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं, मैं उन में से एक हूं।

234 अब फिर से ध्यान से सुने देखिये।

यधपि संभव है ये लोग—संभव है ना जान पाये, (वे कभी कॉलेज से नहीं आयेगे)
या संसारिक लोकप्रियता की शेखी,
उन सब ने अभी पेंटीकोस्टल की आशीष पा ली है,
यीशु के नाम में बपतिस्मा पा लिया;
और अब वे बता रहे है, दोनों दूर और लंबे चौड़े में,
(हर छोटे एकान्त और कानों में)
उसकी सामर्थ अब भी एक सी है,
मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं, मैं उन में से एक हूं।

235 ओह, कलीसिया इसे गाये!

... उनमें, उनमें से एक,
मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं, मैं उन में से एक हूं;
ओह, उन में से एक, उन में से एक,
मैं बहुत आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं मैं एक...

236 अब अपना छोटा रुमाल ले।

उन में से एक, उन में से एक,
मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं मैं उन में से एक हूं;
ओह उन में से एक, उन में से एक,
और मैं बहुत ही आनंदित हूं मैं कह सकता हूं मैं उन में से एक हूं।

237 प्रभु की महिमा हो! आमीन! हम बालकों के समान है। हमारे लिये कुछ भी औपचारिक नहीं है। परमेश्वर का रूप नहीं है। क्या यह ठीक बात है? जी हां श्रीमान!

मैं उन में से एक हूं, उन में से एक,
मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उन में से एक हूं;
मैं उन में से एक हूं, उन में से एक,
ओह मैं बहुत ही आनंदित हूं कि मैं कह सकता हूं, कि मैं उन में से एक हूं...

238 क्या आप वास्तव में आनंदित है आप ये कह सकते है? बस अपना हाथ उठाये कहे "प्रभु की महिमा हो!" [सभा कहती है, "प्रभु की महिमा हो।"—सम्पा।] प्रभु की महिमा हो! मैं आनंदित हूं कि मैं उन में से एक हूं! मैं इसके लिये आनंदित हूं।

239 प्रभु परमेश्वर, मैं बहुत आनंदित हूं। उन में से एक हूं उन में से एक! मैं बहुत ही आनंदित हूं मैं कह सकता हूं मैं उन में से एक हूं। ओह, परमेश्वर ऐसा होने के लिये हमारी सहायता करे, हमारी सहायता करें कि ज्योतियाँ चमकती रहे प्रभु, जैसे कि हम सय्योन की ओर आगे बढ़ रहे है, पिता। इसे प्रदान करे, यीशु के नाम में, हम अपने जीवनो को आपकी सेवा के लिये समर्पित करते है। आमीन। आमीन।

ओह, हम सय्योन की ओर बढ़ रहे है,
ओह सुंदर, सुंदर सय्योन:
हम सय्योन के ऊपर की ओर बढ़ रहे है,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

आओ हम जो प्रभु से प्रेम करते है,
और हमारा आनंद प्रगट हो जाये,
उस गीत में सम्मलित हो जाये,
उस मीठी संगति के साथ
और इस प्रकार सिंहासन के चारो ओर
और... (ओह, आत्मा में गाये!)... वो सिंहासन,

ओह, हम सय्योन की ओर बढ़ रहे है,
ओह सुंदर, सुंदर सय्योन:
हम सय्योन के ऊपर की ओर बढ़ रहे है,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

ओह, हम सय्योन की ओर बढ़ रहे है,
ओह सुंदर, सुंदर सय्योन:
हम सय्योन के ऊपर की ओर बढ़ रहे है,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

जिन्होंने गाने से मना कर दिया
जिन्होंने हमारे परमेश्वर को कभी नही जाना;
परन्तु स्वर्गीय राजा के बालक,
परन्तु स्वर्गीय राजा के बालक,
अपने आनंद को बाहर बताये,
अपने आनंद को बाहर बताये।

240 आइये इसे गाये!

ओह, हम सय्योन की ओर बढ़ रहे है,
ओह सुंदर, सुंदर सय्योन:
हम सय्योन के ऊपर की ओर बढ़ रहे है,
वह परमेश्वर का सुंदर नगर।

241 ओह, या चमक समाप्त न होने पाये? क्या आप इन पुराने गानों से प्रेम नहीं करते? मैं—मैं बल्कि इन्हीं लेना चाहूंगा, बजाये और सब के... या इनमें से दूसरे के प्रकार के गानों से जो आपके पास हो सकते है, वे पुराने अच्छे हृदय से लगने वाले गाने। ओह, प्रभु! मुझे बहुत ही अच्छा और आनंद मिलता है जब मैं इन्हें गाता हूं बहुत अच्छा, ओह मुझे आनंद का अनुभव होता है!

यीशु का नाम अपने साथ लो,
दुख और उदासी का बालक;
ये आपको आनंद और विश्राम देगा,
ओह इसे ले लो, जहां कहीं तुम जाओ।

कीमती नाम (कीमती नाम!), ओह कितना मीठा!
(ओह, कितना मीठा!)
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
कीमती नाम, ओह कितना मीठा,
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

242 जैसे कि अब हम अपने सिरों को झुकाते है:

यीशु के नाम में सिर झुकाते है,
उसके चरणों में प्रणाम करते है
स्वर्ग में राजाओं का राजा, हम उसे ताज पहनायेगे,
जब हमारी यात्रा पूरी होती है।
कीमती नाम, ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा...

[भाई नेविल सभा समाप्त करते है।—सम्पा।]

उसे बिना पहले चेतावनी दिये परमेश्वर मनुष्य को न्याय में नही बुलाता HIN63-0724

(God Doesn't Call Man To Judgment Without First Warning Him)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 24 जूलाई, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org